प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

# लोक प्रेरणा

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 | वर्ष : 03, अंक: 335 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 | रविवार, 11 मई 2025 | lokparerna@gmail.com | +91-9255149495

## पाकिस्तान से संघर्ष के बीच बढ़ा साइबर हमले का खतरा

**मुंबई/लोक प्रेरणा**

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच भारत में सरकारी वेबसाइट्स पर साइबर हमले बढ़ गए हैं। महाराष्ट्र सरकार के साइबर अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि सीमा पार के हैकर्स भारत की सरकारी वेबसाइट्स को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन साइबर हमलों का मकसद अहम प्रशासनिक कामों को बाधित करना और भ्रामक सूचनाएं फैलाना है।

**ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े हमले**

साइबर हमलों पर नजर रखने वाली एजेंसी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये हमले बढ़े हैं। जिसके बाद कई अहम बुनियादी ढांचे और सरकारी वेबसाइट्स पर साइबर हमले हुए हैं। साइबर अधिकारियों ने बताया कि डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (उड्ढ्र) और डिजिटल डिफेसमेंट अभियान जैसे हमलों का उद्देश्य आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं को बाधित करना और सरकारी प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता को कम करना है। अधिकारियों ने बताया कि संस्थागत डिजिटल संपत्तियों को सीधे निशाना बनाने के अलावा हैकर, मैलवेयर से संक्रमित फाइलें प्रसारित कर रहे हैं।

**लोगों को सतर्क रहने की सलाह**

एजेंसी ने कहा कि वह इस तरह के घटनाक्रमों की निगरानी कर रही है और उभरते साइबर खतरों की पहचान कर रही है और संभावित जोखिमों को कम करने के लिए सार्वजनिक सलाह जारी कर रही है। विभाग ने लक्षित संस्थानों और विभागों को औपचारिक रूप से सतर्क कर दिया है, ताकि समय पर बचाव किया जा सके। एजेंसी ने नागरिकों को डिजिटल सामग्री से निपटने के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। महाराष्ट्र साइबर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया था कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान, मध्य पूर्वी देशों और मोरक्को के हैकिंग समूहों द्वारा भारत पर 10 लाख से अधिक साइबर हमले किए गए थे।

# संत रविदास ने सामाजिक चेतना को जागृत किया: योगी

## अयोध्या में रविदास मंदिर में सत्संग भवन का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

**अयोध्या/लोक प्रेरणा**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचकर प्राचीन संत रविदास मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य और नवनिर्मित सत्संग भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री यहां सामूहिक सहभोज कार्यक्रम में शामिल होकर संतों के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का विकसित भारत का संकल्प, सद्गुरू संत रविदास जी की प्रेरणा से ही आगे बढ़ रहा है। संत रविदास ने कहा था, ''ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न, छोट बड़ा सब संग बसे, रैदास रहे प्रसन्न'', उनका यही दर्शन प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प का आधार है। हमारा देश तभी विकसित भारत बनेगा, जब हम एकजुट होकर जातिगत और आर्थिक विषमताओं को दूर कर सकेंगे।

**रविदास जी ने सामाजिक चेतना को जागृत किया**

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक नई अयोध्या का निर्माण हो रहा है और आज संत रविदास मंदिर के सौंदर्यीकरण और सत्संग भवन के लोकार्पण के साथ यह प्रक्रिया और सशक्त हुई है। उन्हाने इसके लिए महंत बनवारी पति ब्रह्मचारी जी महाराज को बधाई दी। सीएम योगी ने संत रविदास को मध्यकालीन संत परंपरा का सिद्ध संत बताते हुए कहा कि उन्होंने कर्मप्रधान व्यवस्था के माध्यम से सामाजिक चेतना को जागृत किया और सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाई।

**आजादी के बाद से ही अयोध्या की उपेक्षा की गई, अब नई अयोध्या हमारे सामने**

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी में सीर गोवर्धन को 10 वर्षों में भव्य स्वरूप दिया गया है और अयोध्या का कायाकल्प भी उसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने अयोध्या में फोरलेन सड़कों, महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, माता शबरी के नाम पर अन्न क्षेत्र, निषाद राज के नाम पर यात्री विश्रामालय और राम की पैड़ी व सरयू घाट के सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से अयोध्या की उपेक्षा की गई, लेकिन अब सूर्यवंश की ये राजधानी देश की पहली सोलर सिटी के रूप में अपनी पहचान बना रही है।

**नेशन फर्स्ट की भावना ही करेगी समृद्ध भारत का निर्माण**

उन्होंने पासी समाज, कबीर मठ और रजक समाज के संतों को आश्वासन दिया कि सरकार सभी वर्गों को जोड़कर आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जब हमारा संकल्प देश के प्रति कर्तव्यों से जुड़ेगा, तो सभी समस्याओं का समाधान संभव है। हमें नेशन फर्स्ट की भावना के साथ देश को प्राथमिकता देनी होगी, तभी हम संत रविदास और भगवान राम के आदर्शों पर चलकर एक समृद्ध भारत का निर्माण कर सकेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक और संत रविदास जी मंदिर के महंत बनवारी पति ब्रह्मचारी जी महाराज, चंपत राय, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, योगी बालकनाथ जी महाराज, रामानुजदास जी महाराज, डॉ सुंदरलाल जी महाराज, छतरदास जी महाराज, स्वामीदास जी महाराज, स्वामी भारत भूषण जी महाराज, सुकृत साहब सहित सद्गुरू रविदास जी महाराज की भक्तिधारा से जुड़े अन्य संतजन एवं श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

## रक्षा जरूरतों के साथ ही रोजगार के नए द्वार भी खोलेगा डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

**अयोध्या/लोक प्रेरणा**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर रामनगरी पहुंचे। उन्होंने अपने दौरे का आगाज हनुमानगढ़ी में संकट मोचन के चरणों में हाजिरी लगाकर किया। यहां उन्होंने संतों से भी मुलाकात की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के चरणों में भी प्रणाम निवेदित किया। सीएम योगी रामकथा पार्क स्थित हैलीपेड पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। रामकथा पार्क से सीएम योगी सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां रामभक्त संकटमोचन हनुमान के दरबार में हाजिरी लगाई और प्रदेश के कल्याण की कामना की। सीएम ने दर्शन-पूजन के उपरांत निकलते समय आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने संतों से भी की मुलाकात, पूछा कुशलक्षेम मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। यहां मुख्यमंत्री सबसे पहले गद्दीनशीन महंत प्रेमदास महाराज जी महाराज से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री यहां अन्य संतों से भी मिले और उनका हालचाल जाना।

**निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में ली जानकारी**

इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां विधिवत दर्शन-पूजन भी किया। इसके बाद उन्होंने राम मंदिर निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया, यहां चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को यहां चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

## 'मीडिया चैनल्स हवाई हमले का सायरन इस्तेमाल न करें'

**नई दिल्ली /लोक प्रेरणा**

**भारत** पाकिस्तान संघर्ष के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी मीडिया चैनल्स को अपने कार्यक्रमों में सिविल डिफेंस हवाई हमले के सायरन का इस्तेमाल करने से बचने की सलाह दी है। गृह मंत्रालय के तहत डायरेक्ट्रेट जनरल, सिविल डिफेंस, फायर सर्विस और होम गार्ड्स ने यह एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि सिविल डिफेंस एक्ट, 1968 की धारा 3(1) के तहत सभी मीडिया चैनल्स से ये अपील की जाती है कि सिविल डिफेंस एयर रेड सायरन के इस्तेमाल से बचें और सिर्फ लोगों को जागरुक करने के लिए ही इसका इस्तेमाल करें।

**सरकार का तर्क- लोग गुमराह हो सकते हैं**

एडवाइजरी के अनुसार, सायरन का रुटीन इस्तेमाल, आम नागरिकों में इसकी संवेदनशीलता को कम कर सकता है और लोग असल सायरन की आवाज को मीडिया चैनल्स के सायरन की आवाज मानकर गलतफहमी के शिकार हो सकते हैं। गौरतलब है कि इन दिनों भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष चरम पर है। पाकिस्तान द्वारा भारत के शहरों और सैन्य ठिकानों पर हमले की नाकाम कोशिश की जा रही है। भारत जहां पाकिस्तान के हमलों को नाकाम कर रहा है, वहीं जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान को काफी नुकसान भी पहुंचाया है।

## राज्य को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए बाध्य नहीं कर सकते: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली /लोक प्रेरणा**

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 द्वारा प्रस्तावित तीन-भाषा फॉमूर्ले को तमिलनाडु, केरल और बंगाल में लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका पर विचार करने से इन्कार करते हुए कहा कि अदालत किसी राज्य को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसी नीति अपनाने के लिए सीधे तौर पर बाध्य नहीं कर सकती। हालांकि, अगर राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित राज्य की कार्रवाई या निष्क्रियता किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है तो अदालत हस्तक्षेप कर सकती है। हम इस रिट याचिका में इस मुद्दे की जांच करने का प्रस्ताव नहीं रखते हैं। यह याचिका भाजपा के वकील जीएस मणि ने दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शैक्षिक नीति को लागू करने या समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से राज्य सरकार का इन्कार जनहित को नुकसान पहुंचा सकती है या नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर सकती है। याचिका में राज्य सरकारों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने और एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी, जिसमें मौलिक लोक कल्याण और शिक्षा के अधिकार, सांविधानिक अधिकार, या सरकारी दायित्वों को नजरअंदाज किया जा रहा है या उनका उल्लंघन किया जा रहा है।

पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रमों की समीक्षा के लिए विधि शिक्षा आयोग या विशेषज्ञ समिति के गठन के अनुरोध से संबंधित जनहित याचिका को लंबित याचिका के साथ जोड़ने का आदेश दिया।

## वादे से क्यों मुकरा पाकिस्तान, अमेरिका की कोशिशों पर चीन ने किस तरह लगाया बट्टा

**नई दिल्ली/लोक प्रेरणा**

चीन ने अमेरिका की चौधराहट पर बट्टा लगा दिया। पाकिस्तान ने संघर्ष विराम के लिए सहमत होने के कुछ समय बाद इसे तोड़ दिया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अनुसार सीमा पर भीषण गोली बारी जारी है। खबर है कि पाकिस्तान ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी का हर तरह के समर्थन का भरोसा मिलने के बाद किया है। क्या भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच विश्व की दो महाशक्तियों के नाक के सवाल खड़ा हो गया है? स्थिति अब जटिलता की ओर जा रही है? जटिलता इसलिए कि पाकिस्तान को तुर्किए के अलावा किसी भी देश का समर्थन नहीं मिल पा रहा था।

अजरबैजान के सैद्धांतिक समर्थन का भारत और पाकिस्तान के बीच में जंग जैसे माहौल में कोई महत्व नहीं है। वैसे भी भारत हथियार आदि के मामले में अजरबैजान के दुश्मन आर्मेनिया का सहयोगी है।

**शाहबाज शरीफ ने संसद को बताया था कि आखिरी पाकिस्तान के लिए जंग से हट रहे हैं पीछे**

भारत और पाकिस्तान के बीच में युद्ध विराम को लेकर वहां के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सफाई दी थी। उन्होंने अपनी संसद को बताया था कि जंग में भारत पाकिस्तान पर बहुत भारी है। पाकिस्तान की फौज बहादुरी से मुकाबला कर रही है लेकिन उनके देश के पास लड़ने के लिए मजबूत संसाधन नहीं हैं। शाहबाज शरीफ ने यहां तक कहा था कि इस लड़ाई में उन्होंने सऊदी अरब, चीन समेत दुनिया के तमाम देशों से मदद मांगी, लेकिन तुर्किए को छोड़कर किसी ने सहायता के लिए हामी नहीं भरी। हो सकता है शाहबाज शरीफ ने कुटिल चाल के तहत संसद में यह रोना रोया हो।

## हवाई अड्डों का सुरक्षा घेरा मजबूत, कार्गो-बैगेज स्क्रीनिंग के लिए सीआईएसएफ का अधिकार क्षेत्र बढ़ाया

**नई दिल्ली/लोक प्रेरणा**

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद देश के हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत किया जा रहा है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने कार्गो और बैगेज स्क्रीनिंग के लिए सीआईएसएफ का अधिकार क्षेत्र बढ़ा दिया है। भारतीय नागरिक हवाई अड्डों पर सुरक्षा को बढ़ावा देने के एक महत्वपूर्ण निर्णय में, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के महानिदेशक ने 9 मई, को एक आधिकारिक ज्ञापन (ओएम) जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कार्गो संचालन और इन-लाइन होल्ड बैगेज स्क्रीनिंग सिस्टम (आईएलएचबीएसएस) को अतिरिक्त सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए विमानन सुरक्षा समूह (एएसजी) के रूप में सीआईएसएफ की भूमिका को अस्थायी रूप से बढ़ाया गया है। सीआईएसएफ के मुताबिक, 9 मई से 18 मई तक नई प्रभावी रहेगी। यह व्यवस्था पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद देश के सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

## इस साल चार दिन पहले केरल में दस्तक दे सकता है मानसून

**नई दिल्ली/लोक प्रेरणा**

मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि दक्षिण पश्चिमी मानसून 27 मई को केरल पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून तक केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसके जल्दी केरल पहुंचने की उम्मीद है। अगर मानसून 27 मई तक केरल में दस्तक दे देता है तो यह साल 2009 के बाद से सबसे जल्दी मानसून का आगमन होगा। साल 2009 में मानसून ने केरल में 23 मई को दस्तक दे दी थी। बीते साल मानसून ने केरल में 30 मई को दस्तक दी थी। वहीं साल 2023 में 8 जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में 3 जून को और साल 2020 में 1 जून को मानसून केरल पहुंचा था। आमतौर पर दक्षिण पश्चिम मानसून एक जून को केरल पहुंचकर 8 जुलाई तक पूरे भारत को कवर कर लेता है। 17 सितंबर से मानसून भारत के उत्तर पश्चिमी इलाकों से पीछे हटना शुरू हो जाता है और 15 अक्तूबर तक पूरी तरह से विदा हो जाता है।

## आतंकवाद के लिए इस्लाम का इस्तेमाल कर रहा है पाकिस्तान: ओवैसी

**हैदराबाद/लोक प्रेरणा**

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को पाकिस्तान पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्लाम का इस्तेमाल सिर्फ दिखावे के लिए करता है, असल में उसका मकसद आतंकवाद को बढ़ावा देना है और भारत में धार्मिक नफरत फैलाना है। ओवैसी ने साफ कहा कि पाकिस्तान की हरकतें धार्मिक नहीं बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक फायदे के लिए होती हैं।

**'इस्लाम का मुखौटा पहन पाकिस्तान आतंकवाद छिपाता है'**

ओवैसी ने कहा, 'पाकिस्तान का 'डीप स्टेट' यानी उसकी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई, इस्लाम का मुखौटा पहनकर अपने गैरकानूनी कामों और आतंकवाद को छिपाती है।' उन्होंने कहा कि भारत के मुसलमानों ने मोहम्मद अली जिन्ना की 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को पहले ही खारिज कर दिया है और वे लोकतांत्रिक भारत में ही रहना पसंद करते हैं। ओवैसी ने पाकिस्तान की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा, 'अगर पाकिस्तान सच में मुसलमानों का हितैषी है तो वह अफगानिस्तान, ईरान और बलूचिस्तान में मुसलमानों पर बमबारी क्यों करता है? बलोच, अफगान और ईरानी भी मुसलमान हैं।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पिछले 75 सालों से धर्म का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

**'भारतीय मुसलमानों ने जिन्ना का सिद्धांत ठुकराया'**

उन्होंने यह भी कहा, 'भारत में 23 करोड़ से ज्यादा मुसलमान हैं, जिनके पूर्वजों ने जिन्ना का सिद्धांत ठुकरा दिया था। पाकिस्तान चाहता है कि भारत में हिंदू-मुस्लिम के बीच दरार बढ़े, लेकिन हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे।'

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'जब भारत ने बहावलपुर में आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया था, तो वहां मारे गए आतंकियों की अंतिम नमाज एक ऐसे व्यक्ति ने पढ़ाई, जिसे अमेरिका ने भी आतंकी घोषित किया हुआ है - हाफिज अब्दुर रऊफ। और उस जनाजे में लोग पाकिस्तानी सेना की वर्दी पहनकर शामिल हुए थे। क्या दुनिया इसे नहीं देख रही?'

**'पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और नहीं सहन किया जाएगा'**

ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से प्रायोजित आतंकवाद अब और सहन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने पहलगाम में लोगों को मारने से पहले उनसे कलमा पढ़ने को कहा। जो नहीं पढ़ पाए, उन्हें गोली मार दी गई।

क्या कोई सोच सकता है कि उन परिवारों पर क्या बीती होगी? अब वक्त आ गया है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का हमेशा के लिए अंत किया जाए।'

**भारत सरकार का बड़ा फैसला**

इस बीच भारत सरकार ने भी साफ कर दिया है कि अब कोई भी आतंकी हमला 'युद्ध' के बराबर माना जाएगा और उसका जवाब उसी स्तर पर दिया जाएगा। शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक की।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

## शराब पीते समय झगड़ा हो जाने पर अपने साथी की नुकीले हथियार से वार कर की हत्या

**लोक प्रेरणा**

**तोशाम।** तोशाम में जुई मार्ग पर स्थित आरा मशीनों पर कार्यरत मजदूर ने आपस मे शराब पीते समय झगड़ा हो जाने पर अपने साथी के सिर में नुकीले हथियार से वार कर मौत के घाट उतार दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। घटना को अंजाम देने वाला युवक वारदात में अंजाम देने वाले हथियार को लेकर मौके से फरार हो गया।

मध्यप्रदेश के सागर जिले के निवासी दिनेश, सोनू, अंकित व सतपाल आरा मशीनों पर काम करते हैं। चारों एक ही मकान में रहते थे। शनिवार दोपहर को अंकित व सतपाल खाना खाने के लिए बाहर चले गए। दिनेश व सोनू मकान में बैठकर शराब पीने लगे। शराब पीते समय दिनेश व सोनू आपस मे कहासुनी हो गई। जिसके बाद सोनू ने दिनेश के सिर में नुकीले हथियार से सिर में वार कर दिए। वार करने के बाद सोनू मौके से हथियार सहित फरार हो गया। अंकित व सतपाल ने बताया कि वे साथ मे रहते थे। वे दोपहर में खाना खाने चले गए। पीछे से सोनू व दिनेश में शराब पीते समय आपस मे उनकी कुछ कहासुनी हो गई। जिसमें सोनू ने घटना को अंजाम दे दिया। सोनू ने अपने ही साथी 35 वर्षीय दिनेश को मौत के घाट उतार दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस बारे थाना प्रभारी महाबीर ने बताया कि मृतक के साथी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले में तपदीश जारी है।

## स्व. सुरेश शर्मा की पुण्यतिथि पर नई पहल, युवा क्लब मिरान ने लगाया रक्तदान शिविर, 55 ने किया रक्तदान

**लोक प्रेरणा**

**तोशाम।** स्वर्गीय सुरेश शर्मा की पुण्यतिथि पर नई पहल करते हुए गांव मिरान के युवा क्लब ने शनिवार को गांव मिरान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में बतौर मुख्यअतिथि डॉक्टर सुनीता जनावा पहुंची तो शिविर की अध्यक्षता मास्टर मुकेश ओर भूपेंद्र भेरा ने की। इस दौरान 53 लोगों ने रक्तदान कर कैंसर पीड़ितों की मदद के अभियान में आहुति डाली। शिविर के सभी रक्तदाताओं को अतिथियों द्वारा बैज लगाकर व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की टीम रक्त एकत्रित करने पहुंची। इस मौके पर डाक्टर सुनीता जनावा ने कहा की रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। उन्होंने स्वर्गीय सुरेश शर्मा को नमन करते हुए कहा कि मास्टर राजेश शर्मा ने चौथी बार अपने पिता की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगाया है जोकी प्रेरणा स्रोत भी है। यह शिविर उनके आदर्शों को जीवंत रखने का एक प्रयास है। इस दौरान पहुंची डॉक्टर ऋचा नैन ने बताया कि सुरेश शर्मा की पुण्यतिथि पर स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन समाज को संदेश देता है। इस मौके पर राजेश शर्मा ने कहा कि उनके पिता की पुण्यतिथि पर चौथी बार रक्तदान शिविर आयोजित करने का महत्व युवाओं को समाजसेवा के भाव से जोड ?ा है। उन्होंने कहा कि रक्त का दुनिया में कोई विकल्प नहीं है। मानव शरीर का रक्त ही दूसरों में खून की कमी को पूरा कर किसी का जीवन बचा सकता है। भूपेंद्र ग्रेवाल भैरा ने बताया कि रक्त का कोई ओर अन्य विकल्प नहीं है इसीलिए प्रत्येक युवा को चाहिए कि वे बढ़-चढकर रक्तदान करें तथा जरूरतमंदों की जान बचाने में सहयोग करें। इस अवसर पर बजरंग शर्मा, बलवान शर्मा, मुकेश सिहाग, ललित सिहाग, सचिन नैन भैरा, मनोज नैन भैरा, प्रवीण सिहाग, जसविंदर झूली आदि सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

## सुरक्षा जांच के लिए लोहारू पुलिस ने अभियान चलाकर की वाहनों की जांच

**लोक प्रेरणा**

**लोहारू।** भारत-पाक के बीच तनावपूर्ण स्थिति के दौरान देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोहारू पुलिस ने शनिवार को नगर के दादरी मोड, देवीलाल चौक पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान वाहनों की जांच की गई तथा वाहन चालकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस ने वाहनों की गहनता से जांच की तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों की भी जानकारी दी और उनकी अनुपालना करने के निर्देश दिए। इस दौरान करीब 30 से अधिक वाहनों की जांच की गई। पुलिस ने जांच अभियान के दौरान बिना हेलमेट व बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन का प्रयोग करने वाले वाहन चालकों को सख्त हिदायत दी वहीं वाहन चालकों को निर्देश दिए कि यदि वे कहीं भी किसी प्रकार की संदिग्ध घटना या सामान को देखते है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए। देश में मौजूदा स्थिति को देखते हुए देश के नागरिकों का दायित्व है कि वे देश व देशवासियों की सुरक्षा के लिए पुलिस का हरसंभव सहयोग करें। इस दौरान वाहनों में सामान की भी जांच की। थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा जांच अभियान चलाया गया है तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है तथा उन्हें सुरक्षा के लिए जागरूक किया गया है। उन्होंने कहा कि ब्लैक फिल्म चढ़े वाहनों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है ताकि अपराध व अपराधियों पर लगाम लगाई जा सके। उन्होंने बताया कि कानून हाथ में लेने की किसी को परमिशन नहीं दी जाएगी इस प्रकार के लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा।

## श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में सेमिनार 15 मई को

**एकजोत**

**कुरुक्षेत्र।** श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में आगामी 15 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आयुर्टेक इनोवेशन इन आयुर्वेदिक टेक्नोलॉजी विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन आधुनिक तकनीक और पारंपरिक आयुर्वेद के समन्वय को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के निदेशक प्रो. बी वी. रमना रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.वैद्य करतार सिंह धीमान बतौर मुख्य संरक्षक कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जबकि कुलसचिव प्रोफेसर ब्रिजेंद्र सिंह तोमर कार्यक्रम के संरक्षक होंगे। वहीं, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से डॉ. राहुल तनेजा और केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से डॉ.हेमंत पाणिग्रही एवं डॉ. बबीता यादव विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रो. राजा सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि ये सेमिनार तकनीकी नवाचारों को आयुर्वेद के क्षेत्र से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। इस विशेष अवसर पर 'आयुर्टेक मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता' भी आयोजित की जाएगी,जिसमें छात्र आयुर्वेद एवं तकनीकी नवाचारों पर आधारित मॉडल को प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 3100 रुपए, द्वितीय को 2100 रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1100 रुपए की नकद राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी।

# देश की एकता व अखंड़ता के लिए राष्ट्रीयता की भावना सर्वोपरि : डॉ. ममता सचदेवा

### केयू में 1857 की क्रांति की याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

**एकजोत**

**कुरुक्षेत्र।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्थित 1857 क्रांति संग्रहालय में शनिवार को 1857 की क्रांति में बलिदान देने वाले भारतीय वीर सपूतों, वीरांगनाओं व हरियाणा के वीर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा की धर्मपत्नी डॉ. ममता सचदेवा ने बतौर मुख्यातिथि कहा कि देश की एकता व अखंड़ता के लिए राष्ट्रीयता की भावना सर्वोपरि होनी चाहिए। 1857 की क्रांति ने हमें यह सिखाया कि यदि राष्ट्रहित में एकजुट हों तो कोई भी ताकत हमें दबा नहीं सकती। विश्वविद्यालय में 1857 की क्रांति का संग्रहालय नई पीढ़ी को अपने इतिहास से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। डॉ. ममता सचदेवा ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने वीर शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि आजादी का यह सफर लाखों वीरों की कुबार्नी से ही संभव हो पाया है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल ने कहा हमारा कर्तव्य है कि हम अपने शहीदों के बलिदान को केवल याद न करें, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। विश्वविद्यालय द्वारा इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन युवाओं में देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रबल करता है। संग्रहालय के क्यूरेटर डॉ. कुलदीप सिंह आर्य ने बताया कि 10 मई 1857 को शुरू हुई यह क्रांति भारतीय इतिहास का एक निर्णायक मोड़ थी, जिसमें हरियाणा के वीरों ने भी अंग्रेजों के खिलाफ साहसपूर्वक संघर्ष किया। इसी गौरवशाली इतिहास को संजोने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में यह संग्रहालय स्थापित किया गया है। इस अवसर पर हरियाणा संग्रहालय की गवर्निंग बॉडी की चेयरपर्सन प्रो. नीलम ढांडा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. अनिल गुप्ता, महिला चीफ वार्डन डॉ. कुसुम लता, रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ. रमेश ढांडा, डिप्टी डायरेक्टर डॉ. सलोनी पवन दीवान, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. कुलदीप सिंह आर्य व सुरेंद्र ने भी शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

फोटो परिचय

# कुवि के एनसीसी कैडेट्स ने प्रशिक्षण शिविर में जीती ट्रॉफी व 64 पदक

**एकजोत**

**कुरुक्षेत्र।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आईआईएचएस के एन.सी.सी. कैडेट्स के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय, निवारसी, कुरुक्षेत्र में 1 से 10 मई तक दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस समग्र शिविर में आईआईएचएस के एन.सी.सी. कैडेट्स ने 64 पदक एवं 1 ट्रॉफी प्राप्त कर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा अपने संस्थान की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इस उपलब्धि के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) एक ऐसा संगठन है जो देश के युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में संवारने में लगे हुए हैं। इस उपलब्धि के लिए कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल व आईआईएचएस की प्राचार्या प्रोफेसर रीटा, सी.टी. ओ डॉ ऋतु सैनी ने भी प्रसन्नता व्यक्त की व सभी कैडेट्स को शुभकामनाएं दी। प्रशिक्षण शिविर में आयोजित प्रतियोगिताओं में कैडेट मनु व कौशल ने अपने अद्वितीय कौशल के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन प्रस्तुत किया। चित्रकला प्रतियोगिता में कैडेट तमन्ना, नेहा, करण और राजू ने अपनी सृजनात्मकता द्वारा सभी को प्रभावित किया। सोलो डांस प्रतियोगिता में सुकृति एवं कुलदीप ने मंच पर अपनी भाव-भंगिमा और लयबद्धता से दर्शकों का मन मोह लिया। गायन प्रस्तुति में कैडेट कौशल ने अपनी मधुर वाणी एवं भावनात्मक अभिव्यक्ति से सभी को हर्षित कर दिया, वहीं दूसरी ओर ग्रुप डांस में भी सभी प्रतिभागियों ने धूम मचा दी। रस्सा-कस्सी एवं खो-खो, हथियार संचालन प्रतियोगिता में कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

# माँ-बाप की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा : अंकित गुप्ता

**एकजोत**

**कुरुक्षेत्र।** आल इंडिया लॉयर्स फोरम के प्रदेश महासचिव एवं विश्व मानव अधिकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय सदस्य एडवोकेट अंकित गुप्ता ने मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार में विशेष संबोधन देते हुए कहा कि माँ-बाप की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। यह केवल एक भावनात्मक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक और कानूनी कर्तव्य भी है। वेबिनार का विषय था मातृत्वः कर्तव्य, अधिकार और कानूनी संरक्षण, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। एडवोकेट गुप्ता ने कहा कि माता-पिता अपने संतान से भरण-पोषण पाने के लिए कानूनी रूप से हकदार हैं, यदि वे स्वयं समर्थ नहीं हैं। इसी तरह सीनियर सिटीजन एक्ट के तहत बच्चों का कर्तव्य है कि वे अपने माता-पिता की देखभाल करें। उल्लंघन की स्थिति में सजा का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि संविधान का अनुच्छेद 21 भी गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्रदान करता है जिसमें वृद्धजनों की देखभाल और सम्मान भी शामिल है। उन्होंने बताया कि घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के अनुसार यदि किसी वृद्ध माँ को उपेक्षा या प्रताड़ना का सामना करना पड़े, तो उन्हें इस कानून के अंतर्गत संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "मातृ दिवस केवल फूल देने का नहीं, कर्तव्य निभाने का दिन है। हम जब तक माँ-बाप के त्याग को नहीं समझेंगे, तब तक हम अपने अधिकारों की बात करने के लायक नहीं हैं। वेबिनार के अंत में उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे माँ-बाप की सेवा को जीवन का मूल धर्म समझें और समाज में ऐसे वातावरण का निर्माण करें जिसमें बुजुर्ग माता-पिता को सम्मान और सुरक्षा मिले।

## किसान के खेत से मोटर व केबल चोरी, मामला दर्ज

**लोक प्रेरणा**

**लोहारू।** उपमंडल के गांव पहाड़ी में किसान के खेत से अज्ञात चोरों द्वारा ट्यूबवेल की मोटर व तार चोरी कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित किसान ने पुलिस में शिकायत देकर अज्ञात चोरों का सुराग लगाकर सख्त कार्रवाई व चोरी का सामान बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस में दी शिकायत में गांव पहाड़ी निवासी बलवान सिंह ने बताया कि वह खेती बाड़ी करता है तथा गांव के सेहर रोड पर उसका ट्यूबवेल है। गत रात्रि अज्ञात चोरों ने उसके खेत के ट्यूबवेल की मोटर व करीब 900 फुट केबल चोरी कर ले गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## एचएमएसआई ने 2025 CB650R और CBR650R को लॉन्च किया

**लोक प्रेरणा**

**करनाल।** भारत में प्रीमियम मोटरसाइक्लिंग के क्षेत्र को नए आयाम देते हुए होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने 2025 CB650R और CBR650R को लॉन्च किया है। ये मिडल-वेट 650ू मोटरसाइकिल भारत में होंडा की एडवांस्ड ई-क्लच टेक्नोलॉजी से लैस पहली बाइक हैं।

एचएमएसआई ने घोषणा की है कि सभी इ्ंहल्लॅ डीलरशिप पर बुकिंग शुरू हो चुकी है, और मई 2025 के अंतिम सप्ताह से डिलीवरी की योजना है। CB650R की कीमत 9.60 लाख रुपये और CBR650R की कीमत 10.40 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) रखी गई है।

लॉन्च के अवसर पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और CEO, श्री त्सुत्सुमु ओटानी, ने कहाः

"होंडा का मिशन हमेशा राइडिंग को नए टेक्नोलॉजी इनोवेशन से और ज्यादा एडवांस, सेफ और एक्साइटिंग बनाना रहा है। उइ650फ और CBR650R में शामिल क्रांतिकारी ई-क्लच टेक्नोलॉजी इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जो राइडर्स को बेहतर कंट्रोल और कम्फर्ट देगा। हमें पूरा भरोसा है कि ये मॉडल परफॉर्मेंस और राइडिंग इनोवेशन के नए बेंचमार्क सेट करेंगे।"

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर - सेल्स एंड मार्केटिंग, श्री योगेश माथुर, ने इस लॉन्च पर कहाः

"हम इंडियन राइडर्स के लिए नई CB650R और CBR650R को लेकर काफी एक्साइटेड हैं, अब ये क्रांतिकारी ई-क्लच टेक्नोलॉजी के साथ पेश की गई हैं। इनके स्टैंडर्ड वेरिएंट्स को पहले ही शानदार रिस्पॉन्स मिला था, और ई-क्लच एडिशन से ये एक्सपीरियंस और भी एडवांस होगा। ये मोटरसाइकिल्स परफॉर्मेंस, ईज और इनोवेशन का परफेक्ट बैलेंस ऑफर करती हैं।"

## केयू में 12 मई से नियमित परीक्षाएं होंगी शुरू

**एकजोत**

**कुरुक्षेत्र।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार 12 मई से नियमित रूप से परीक्षाएं फिर से संचालित होंगी। यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि 12 मई से शुरू होने वाली परीक्षाएं नियमित रूप से पूर्व निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सुबह व सांय के सत्र में संचालित होंगी। उन्होंने बताया कि 9 व 10 मई को स्थगित हुई परीक्षाओं का शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा।

## किसान के खेत से मोटर व केबल चोरी, मामला दर्ज

**लोहारू।** उपमंडल के गांव पहाड़ी में किसान के खेत से अज्ञात चोरों द्वारा ट्यूबवेल की मोटर व तार चोरी कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित किसान ने पुलिस में शिकायत देकर अज्ञात चोरों का सुराग लगाकर सख्त कार्रवाई व चोरी का सामान बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस में दी शिकायत में गांव पहाड़ी निवासी बलवान सिंह ने बताया कि वह खेती बाड़ी करता है तथा गांव के सेहर रोड पर उसका ट्यूबवेल है। गत रात्रि अज्ञात चोरों ने उसके खेत के ट्यूबवेल की मोटर व करीब 900 फुट केबल चोरी कर ले गए।

# 1965 और 1971 के युद्ध में देश के शूरवीरों ने भारत माता के दामन पर नहीं लगने दिया दाग

### परिजनों व सैनिकों ने कहा: पाकिस्तान के हर एक हमले का दिया मुंहतोड़ जवाब, 1965 और 1971 की तरह आज भी भारतीय सेना पाक को धूल चटाने में सक्षम

**अमित वालिया, लोहारू**

पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत की और से किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक बौखलाया हुआ है। वर्तमान में जिस प्रकार से पाकिस्तान अपनी नापाक कोशिश कर रहा है इससे लगता है कि पाक अपनी कब्र खुद ही खोदने का काम कर रहा है। चार बार भारत से मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान पर कुत्ते की पूंछ वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। पाक यह भूल रहा है कि आज का भारत नया भारत है आज भारत की सैन्य ताकत कई गुना बढ़ गई है जो 1965 और 1971 के युद्ध के परिणामों की सोच से भी कहीं ज्यादा पाक पर भारी पड़ने वाली है। 1965 और 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले गांव रहीमपुर के सैनिकों व उनके परिवारों का कहना है भारतीय सेना पर उनको गर्व है। नए भारत की आधुनिक भारतीय सेना पाकिस्तान को धूल चटाने में सक्षम है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान सीमा से सटा छोटा सा गांव रहीमपुर जिसमें कई सैनिकों ने 1965 और 1971, 1999 के कारगिल युद्ध के हिस्सा रहे हैं। आज जब उन सैनिकों व उनके परिवारों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने हमेशा भारत के नियंत्रण वाले कश्मीर में घुसपैठ करके विद्रोह भडकाने की कोशिश की है। जिसके जवाब में भारत ने भी पश्चिमी पाकिस्तान पर हमला कर दिया। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ सोवियत संघ ने भारत की मदद की थी। 1971 में, अमेरिका ने पाकिस्तान की ओर से भारत को धमकाने के लिए बंगाल की खाड़ी में युद्धपोत भेजे। हालांकि, सोवियत संघ ने अमेरिकी नौसेना का सामना करने के लिए परमाणु-सशस्त्र पनडुब्बियों और विध्वंसक भेजकर जवाब दिया। दोनों युद्ध भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो देश के सैनिकों की वीरता और साहस की कहानी बताता है।

1965 और 1971 युद्ध के साक्षी रहे गांव रहीमुपर के पूर्व सैनिक रामसिंह बिजारणियां, मोहर सिंह बिजारणियां, स्व. नायब सुबेदार नेतराम काजला के पुत्र एडवोकेट रामचंद्र काजला बताते हैं कि 1971 में पाकिस्तान ने राजस्थान के जोधपुर शहर पर 200 से अधिक बम गिरा के युद्ध की शुरूआत की थी। इसके बाद भारतीय सेना ने पाक की नापाक कोशिश का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने बताया कि इसके बाद भारतीय सेना की मूवमेंट तेज हो गई और आसपास के इलाके को खाली करवाया। रात के अंधेरे में सिविल डिफेंस की टीम आम नागरिकों को सचेत करना शुरू कर दिया। इसी दौरान पाक एयरफोर्स ने पंजाब के कुछ शहरों पर एयर स्ट्राइक की थी। रात में लोग तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के राष्ट्र के नाम संदेश सुनने के लिए रेडियो पर इंतजार कर रहे थे। इसके बाद जोधपुर शहर ब्लैक आउट कर दिया गया और भारतीय सेना के 10 पैरा कमांडो टैंक लेकर पाकिस्तान में घुस गए और करीब 80 केएम अंदर घुसकर पाकिस्तान के सिंध प्रांत के थारपारकर जिले के छाछरो पर कब्जा कर लिया था। एडवोकेट रामचंद काजला ने बताया कि उनके पिता नायब सुबेदार स्व. नेतराम 1965 के भारत पाक युद्ध में फोर ग्रिनेडियर में गुजरात के कच्छ भुज में समजोडिया क्षेत्र में फ्रंट लाइन सेनानी थे। उन्होंने बताया कि यह युद्ध करीब 17 दिन चला। इसमें सेना के जवान उनको खाना पहुंचाते थे। वहीं इस युद्व में अब्दुल हमीद ने 1965 के भारत-पाक युद्ध में 8 पाकिस्तानी टैंकों को नष्ट किया था। उन्होंने अपने साधारण रिकॉयलेस गन का उपयोग करके यह मुकाम हासिल किया था।

उनके पिता 1971 के युद्ध में थार रेगिस्तान में लोंगेवाला पोस्ट पर फोर ग्रिनेडियर यूनिट में फ्रंट लाइन सैनिक के रूप में तैनात थे। उनके पिता बताते थे कि उस समय आम नागरिकों ने भी भारतीय सेना की दूध, खाना व दवाई देकर सेना की बहुत मदद की थी जिसकी बदौलत भारत ने पाक को करारा जवाब दिया था। रामचंद्र काजला ने बताया कि उसका छोटा भाई शहीद भोपाल सिंह कारगिल युद्ध के दौरान 12 फरवरी 1999 को जम्मू कश्मीर के डोडा जनपद में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान देश रक्षा में अपने प्राण देश पर न्योछावर कर दिए थे। करीब 75 वर्षीय पूर्व सैनिक रामसिंह बिजारणियां, 90 वर्षीय मोहर सिंह बिजारणियां ने बताया कि 1965 और 1971 के युद्ध को याद करते हैं तो आज उनका सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। हालांकि उस समय उनको बहुत से कष्टों का सामना करना पड़ा था परंतु उनके मन में केवल और केवल एक ही बात रहती थी कि किस प्रकार से दुश्मन देश को पस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि जब आज देश में युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं यदि देश को जरूरत पड़ी तो वे अपनी कुबार्नी देने को तैयार हैं।

# दिल्ली में हाई अलर्ट, मेट्रो स्टेशन से लेकर पार्क तक, चप्पे-चप्पे पर जवान, गाड़ियों की चेकिंग

**लोक प्रेरणा**
**नई दिल्ली।** पहलागाम की घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के सीमावर्ती इलाकों में मिसाइल और ड्रोन से हमले करने की कोशिश की। हालांकि भारत ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए हर हमले को नाकाम कर दिया। ऐसे में भारत पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। इसी चलते दिल्ली के कई इलाकों में हाई अलर्ट सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जानकारी के मुताबिक भारत पाकिस्तान के बीच जंग जैसी स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को दिल्ली में सरकारी भवनों और अधिक आवाजाही वाले स्थानों समेत महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सरकारी भवनों, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, अदालतों और विदेशी दूतावासों सहित सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यहां अर्धसैनिक बलों समेत अतिरिक्त बलों को तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा पुलिस ने बाजार, रेलवे स्टेशन, मॉल, पार्क और मेट्रो स्टेशन सहित अधिक भीड़-भाड़

वाले इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। इससे पहले गुरुवार रात को दिल्ली पुलिस के सभी जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी गई थीं।

एक अधिकारी ने बताया, रात की निगरानी बढ़ा दी गई है। हम हर संवेदनशील इलाके में अतिरिक्त बल तैनात करेंगे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सभी जोन के स्पेशल कमिश्नर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए अपने डिप्टी के साथ बैठकें कर रहे हैं। पुलिस के एक सूत्र ने बताया, सभी डीसीपी अपने-अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की सक्रिय निगरानी कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। बम निरोधक दस्तों ने कई स्थानों पर तोड़फोड़ विरोधी जांच की है। वहीं राजधानी में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की जांच की जा रही है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारत ने गुरुवार रात को जम्मू, पठानकोट और उधमपुर सहित सैन्य स्थलों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की पाकिस्तान की ताजा कोशिशों को तेजी से विफल कर दिया। इसके बाद भारत ने देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों के 15 शहरों में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को विफल कर दिया। आपको बता दें कि दिल्ली में दोपहर 3 बजे सायरन बजने वाले हैं।

## दिल्ली पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल,231 छोटे बड़े पुलिस अधिकारियों का तबादला

**लोक प्रेरणा**
**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के बाहरी-उत्तरी जिला में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के तबादले हुए हैं। दरअसल एक साथ 231 अधिकारी व कर्मचारियों का तबादला हुआ है, इनमें सब इंस्पेक्टर, असिटेंट सब इंस्पेक्टर के अलावा हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल शामिल हैं। लिस्ट में सबसे ज्यादा 125 तबादले हेड कॉन्स्टेबल स्तर के कर्मचारियों के हुए हैं।

इस लिस्ट में केवल तीन सब इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी शामिल हैं। बाहरी-उत्तरी जिले में लगभग 1800 अधिकारी-कर्मचारियों का अमला है। सभी अधिकारी व कर्मचारियों के तबादले जिले के भीतर ही हुए हैं। ज्यादातर के थाने बदले गए हैं। पांच मई को जारी की गई सूची में 125 हेड कॉन्स्टेबल, 58 कॉन्स्टेबल, 45 असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) और तीन सब इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी शामिल हैं। थानों के लिहाज से देखा जाए तो सबसे ज्यादा स्थानांतरण स्वरूपनगर पुलिस थाने में हुए हैं। यहां 30 से ज्यादा कर्मचारियों को अन्यत्र थानों में भेजा गया है। इसके बाद बवाना थाने में 25 से अधिक, एनआइए में लगभग 20 और साइबर थाने में करीब इतने ही कर्मचारियों को इधर-उधर किया गया है। अलीपुर थाने से 15 का स्थानांतरण किया गया है। एक साथ 231 कर्मचारियों के स्थानांतरण के फैसले की विभाग में चर्चा है। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय बाद एक साथ इतने स्थानांतरण हुए हैं।ट्रांसफर-पोस्टिंग रुटीन प्रक्रिया है। प्रशासनिक क्षमता व गुणवत्ता को और बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस के जवानों का ट्रांसफर किया गया है। लंबे समय तक एक जगह नियुक्ति न रहे, इस मकसद से अंतर जिला ट्रांसफर किए गए हैं।

# दिल्ली पुलिस ने अवैध तीन बांग्लादेशियों को आजादपुर मंडी से किया गिरफ्तार

**लोक प्रेरणा**
**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस ने तीन अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। तीनों ने पुलिस से बचने के लिए ट्रांसजेंडर का भेष धारण कर लिया था। इन अवैध बांग्लादेशियों को आजादपुर नई सब्जी मंडी के पास से गिरफ्तार किया गया है। उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इन्हें आजादपुर नई सब्जी मंडी के

पास से गिरफ्तार किया गया है। भीष्म सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने 8 मई को एक अभियान शुरू किया। तीनों बांग्लादेशी नागरिक नकली ट्रांसजेंडर के रूप में पाए गए। वे भीड़भाड़ वाले इलाके में घुलने-मिलने और लोगों के संदेह से बचने के लिए ट्रैफिक सिग्नल पर भीख मांगते थे।

इन अवैध बांग्लादेशियों के पास से चार मोबाइल फोन बरामद किए गए। इनमें से एक के फोन में प्रतिबंधित एप्लीकेशन था, जिसका इस्तेमाल वे बांग्लादेश में अपने परिवारों से संपर्क करने के लिए करते थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान (40 वर्षीय) मोहम्मद मकसुदा (33 वर्षीय),अब्दुल हकीम उर्फ जेली,(21 वर्षीय) फईम पायल के रूप में हुई है। ये तीनों बांग्लादेश के ढाका, मैमनसिंह और नारायणगंज सहित विभिन्न जिलों के रहने वाले हैं। पुलिस की पूछताछ के दौरान तीनों ने खुलासा किया कि वे एजेंटों की मदद से अवैध रूप से भारत की सीमा में घुसे थे, और ट्रेन से दिल्ली पहुंचे थे। उन्होंने महिलाओं की तरह दिखने और लोगों को धोखा देने के लिए ट्रांसजेंडर का रूप धारण कर रखा था।

## सदर बाजार में लगी आग में फटा छोटा घरेलू सिलेंडर

**नई दिल्ली।** उत्तरी जिले के सदर बाजार इलाके में मामूली आग की चपेट में आने से छोटा घरेलू सिलेंडर फट गया। सूचना पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि हादसे में किसी के हताहत या घायल की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक, शुक्रवार की शाम करीब 6:55 मिनट पर सदर बाजार की प्रताप मार्केट में चौथी मंजिल की छत पर बने कच्चे मकान में अचानक लग गई।

## सोशल मीडिया-ओटीटी के अश्लील कंटेंट पर रोक की मांग वाली नई याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

**नई दिल्ली।** ओटीटी और सोशल मीडिया के अश्लील कंटेंट पर रोक को लेकर दायर एक नई याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इनकार कर दिया।
शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि अगर इस याचिका में कुछ अतिरिक्त तथ्य हैं तो इसी मुद्दे पर दाखिल पुरानी याचिका में इस मांग को रखें। इसी मामले पर दाखिल एक याचिका पर पहले ही सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार से जवाब मांग चुका है।
नई याचिका में मांग की गई है कि अदालत नेशनल कंटेंट कंट्रोल अथॉरिटी का गठन करे जो इन प्लेटफॉर्म पर अश्लीलता को रोकने के लिए दिशानिर्देश तय करे।
गत 28 अप्रैल को ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अश्लील कंटेंट के प्रसारण पर रोक लगाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और कंपनियों को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा था। कोर्ट ने जिन प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी किया है, उनमें नेटफ्लिक्स, अमेजन, उल्लू डिजिटल लिमिटेड, ऑल्ट बालाजी, ट्विटर, मेटा प्लेटफॉर्म और गूगल शामिल हैं।
पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहूरकर समेत अन्य ने दायर याचिका में मांग की थी कि कोर्ट केंद्र सरकार को नेशनल कंटेंट कंट्रोल अथॉरिटी का गठन करने का निर्देश दे, जो इन प्लेटफॉर्म पर अश्लीलता को रोकने के लिए दिशानिर्देश तय करे।
इस याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि यह एक गंभीर चिंता पैदा करती है। केंद्र को इस बारे में कुछ करना चाहिए। यह मामला कार्यपालिका या विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे भी हम पर आरोप हैं कि हम कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल देते हैं। फिर भी हम नोटिस जारी कर रहे हैं।
याचिका में दावा किया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई ऐसे पेज और प्रोफाइल सक्रिय हैं जो बिना किसी नियंत्रण के अश्लील कंटेंट प्रसारित कर रहे हैं। इसके अलावा, कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी ऐसे कंटेंट हैं, जिसमें चाइल्ड पोर्नोग्राफी के तत्त्व भी पाए जाते हैं। याचिका में कहा गया कि इससे विकृत और अप्राकृतिक यौन प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलता है, जिससे अपराध दर में भी बढ़ोतरी हो रही है।

# सिर्फ आतंकी कैंपों को निशाना बनाने पर पूरी दुनिया में भारत की प्रशंसा हो रही : अशोक गहलोत

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना की ओर से बहादुरी से पाकिस्तानी हमले को नाकाम कर दिया गया, जिसे लेकर कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय सेना की तारीफ की। उन्होंने बताया कि पहलगाम घटना के बाद भारतीय सेना ने सिर्फ आतंकी कैंपों को निशाना बनाया, जिसकी पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही है।
समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, "गुरुवार को पाकिस्तान ने भारत

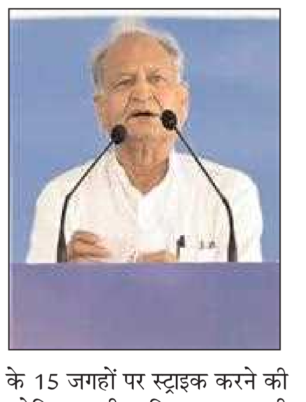

के 15 जगहों पर स्ट्राइक करने की कोशिश की, जिसका हमारी सेनाओं ने मुंहतोड़ जवाब दिया। हमारी सेनाओं में साहस और पराक्रम है। जब से पहलगाम आतंकी हमला हुआ है, सबसे बड़ी बात है कि हमारी सेनाओं ने नागरिकों पर कोई हमला नहीं किया। पाकिस्तान में आर्मी के कई कैंप थे, उन पर हमला नहीं किया गया। हमने केवल आतंकवाद के कैंपों को निशाना बनाया। इसकी पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही है।"
उन्होंने कहा, "हमारे शीर्ष नेता राहुल गांधी और सभी ने शुरूआत से ही सरकार के समर्थन की बात कह रहे हैं। हम सरकार और अपनी फौज के साथ हैं। आज पूरे देश में एकता दिख रही है। ऐसे में आधी विजय हमारी ऐसे ही हो गई। हम तिरंगा यात्रा निकालकर अपनी सेना का हौसला बढ़ा रहे हैं।"
गहलोत ने कहा, "हमने पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल हमले को मार गिराया। दुश्मन देश की हालत खराब हो गई है। पाकिस्तान झूठे प्रचार करके, मीडिया के माध्यम से अपनी जनता को बेवकूफ बना रहा है। उन्हें पता है कि वे पिट रहे हैं और झूठ बोलकर जनता में हौसला अफजाई करना चाह रहे हैं। हमने 1965 का युद्ध देखा, 1971 में इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए और बांग्लादेश बना दिया। फिर कारगिल के युद्ध में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। भारतीय सेना इस समय भी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रही है।"

## भारत ने डिफेंस और ऑफेंस कैपेबिलिटी को बढ़ाया है : पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुनायत

**नई दिल्ली।** 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफल सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने मिसाइल और ड्रोन से भारत में हमले किए, जिसे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम 'एस-400' ने नाकाम कर दिया। जॉर्डन, लीबिया और माल्टा के पूर्व भारतीय राजदूत अनिल त्रिगुनायत ने शुक्रवार को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम की तारीफ करते हुए कहा कि देश ने अपनी डिफेंस और ऑफेंस कैपेबिलिटी को बढ़ाया है।
पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुनायत ने कहा, "भारत आज नहीं बल्कि बहुत सालों से तैयारी कर रहा है कि हमारा डिफेंस सिस्टम बहुत मजबूत होना चाहिए। अब आ रही रिपोर्ट से पता चल रहा है कि 'एस-400' बेहतरीन काम कर रहा है। हमारा एयर डिफेंस सिस्टम काफी मजबूत है। हमने देखा कि भारतीय सेना ने पीओके और पाकिस्तान के अंदर 9 जगहों पर टारगेटेड हमले किए, जिसमें किसी भी नागरिक और पाकिस्तान आर्मी को निशाना नहीं बनाया गया। लेकिन, पाकिस्तान हम पर लगातार हमला करता रहेगा। ऐसे में पाकिस्तान के हमले का जवाब और जोर से देना पड़ेगा। जो रियलिटी है, उसे पूरी दुनिया देख रही है कि भारत ने अपने डिफेंस और ऑफेंस कैपेबिलिटी दोनों को बढ़ाया है।"

# पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री और सेना प्रमुखों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

## आगे की रणनीति और सैन्य तैयारियों पर भी की चर्चा

**नई दिल्ली।** मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर आगे की रणनीति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।
जानकारी के मुताबिक, बैठक में पाकिस्तान के कारण सीमावर्ती इलाकों में उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की गई। इस बैठक में आगे की रणनीति और सैन्य तैयारियों पर भी चर्चा की गई।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए थे। इस दौरान भारत में किसी भी सैन्य और नागरिक ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया।
वहीं, पाकिस्तान ने गुरुवार को भारत में कई जगहों पर ड्रोन एवं मिसाइलों से हमला कर सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक संरचना को निशाना बनाने की कोशिश की। भारत की जवाबी

कार्रवाई में लाहौर स्थित पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह हो गया और कई रडार ठिकानों को निष्क्रिय कर दिया गया।
'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत में निर्मित ह्यलूटिंग म्यूनिशन्सह्ल ड्रोन का पहली बार युद्ध में प्रयोग हुआ। इन आत्मघाती ड्रोन ने कई सेक्टरों में एक साथ हमले किए। रक्षा सूत्रों ने बताया कि इसके साथ ही हारोप ड्रोन ने भी पाकिस्तान पर जमकर कहर बरपाया है। मूलतः इजराइल के ये ड्रोन अब भारत में ही बनते हैं। इन ड्रोनों ने कराची और लाहौर में दुश्मन के एयर डिफेंस को निशाना बनाया। भारतीय सशस्त्र बलों ने शौर्य और पराक्रम दिखाते हुए पाकिस्तान के रडार, ड्रोन, लड़ाकू विमान और सुरक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इस बीच शुक्रवार को कई पूर्व सैन्य अधिकारियों ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में पूर्व सैन्य अधिकारियों ने सेना और सरकार को बधाई देते हुए अपना हरसंभव योगदान देने की बात कही। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हुई इस मुलाकात में पूर्व सैन्य अधिकारियों के योगदान और मार्गदर्शन को बहुमूल्य बताया। प्रधानमंत्री ने मौजूदा स्थिति पर इन पूर्व सैन्य अधिकारियों और सेना प्रमुखों से गंभीर चर्चा की।

प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वाले पूर्व सैनिकों में कई ऐसे थे जिन्हें तनावग्रस्त क्षेत्र में तैनाती का अनुभव है। साथ ही उन्होंने सेना में रहते हुए देश की व्यापक सेवा की है। यह बैठक प्रधानमंत्री के आवास पर हुई और इसमें देश के सामने मौजूदा चुनौतियों पर व्यापक बातचीत हुई।

## दिल्ली : जेपी नड्डा ने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर की समीक्षा बैठक

**नई दिल्ली।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।
आपातकालीन मामलों से निपटने के लिए चिकित्सा तैयारियों की वर्तमान स्थिति के बारे में उन्हें जानकारी दी गई। उन्हें एम्बुलेंस की तैनाती, उपकरण, दवाइयां, रक्त की शीशियों और उपभोग्य सामग्रियों की आपूर्ति सहित चिकित्सा आपूर्ति की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने से अवगत कराया गया।
केंद्रीय मंत्री को बेड, आईसीयू और एचडीयू के संदर्भ में भी अस्पताल की तैयारी, भीष्म क्यूब्स, उन्नत मोबाइल ट्रॉमा केयर यूनिट आदि की उपलब्धता के संबंध में जानकारी दी गई।
उल्लेखनीय है कि अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को आवश्यक दवाओं, रक्त, ऑक्सीजन, ट्रॉमा केयर किट आदि की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। एम्स नई दिल्ली और अन्य केंद्रीय सरकारी अस्पतालों ने तैयार तैनाती के लिए आपूर्ति के साथ डॉक्टरों और नर्सों को जुटाया है।

## शालीमार बाग में एक  नौसिखिया नौकर ने सवा करोड़ की वारदात को दिया अंजाम

**लोक प्रेरणा**
**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में एक कारोबारी के घर से एक करोड़ रुपये से अधिक की चोरी के आरोप में पुलिस ने एक घरेलू सहायक को अरेस्ट किया है। वारदात में आरोपी घरेलू सहायक का एक साथी भी अरेस्ट किया गया है। आरोपियों ने दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में एक व्यवसायी के घर वारदात को अंजाम दिया। बता दें कि आरोपियों ने एक करोड़ रुपये से अधिक की चोरी की। हालांकि पुलिस ने जल्द ही आरोपियों की पहचान कर ली और उन्हें दबोच लिया। उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मूल रूप से बिहार का रहने वाला (21 वर्षीय) अनिल कुमार उर्फ ??करण और (26 वर्षीय) दीपक कुमार दोनों आरोपी जल्द पैसा कमाना चाहते थे।

इस वजह से आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। व्यवसायी संजय अग्रवाल ने छह मई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, उन्होंने बताया कि उनका नया घरेलू सहायक अनिल,उनके शालीमार बाग स्थित आवास से 1.25 करोड़ रुपये नकद लेकर लापता हो गया है। पुलिस ने तुरंत कारोबारी की शिकायत पर एक्शन  लिया। शालीमार बाग थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने  गाजियाबाद में छापेमारी के दौरान अनिल को पकड़ लिया। पुलिस डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान अनिल ने चोरी की बात कबूल कर ली। इतना ही नहीं आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसका सहयोगी दीपक कुमार भी वारदात में शामिल रहा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.06 करोड़ रुपये नकद, 3 बैग और एक अटैची जब्त कर ली है। कथित तौर पर चोरी के बाद अनिल को शरण देने वाले दीपक को भी गाजियाबाद में एक किराए के मकान से गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पुलिस ने बताया कि आगे की जांच लगातार जारी है।

## पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए 1971 जैसी कार्रवाई करने की जरूरत : उदित राज

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान की तरफ से गुरुवार रात भारत के अंदर ड्रोन और मिसाइल से हमले की कोशिश का भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। कांग्रेस नेता उदित राज ने सेना की तारीफ करते हुए कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए 1971 जैसी कार्रवाई करने की जरूरत है।
उदित राज ने कहा, "गुरुवार रात जिस तरह से पाकिस्तान ने एक बार फिर दुस्साहस दिखाया, भारतीय सेना ने उसका करारा जवाब दिया। भारतीय सेना ने अपने शौर्य का परिचय दिखाते हुए पाकिस्तान की तरफ से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया। यह बहुत बहादुरी का काम है।"
पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पहलगाम की घटना के बाद उसने पुंछ और राजौरी में फिर नागरिकों को निशाना बनाया। गुरुवार रात अचानक जम्मू, जैसलमेर में बहुत सी जगहों पर ब्लैक-आउट हुआ। अब पाकिस्तान को सबक सिखाने की जरूरत है। मुझे लगता है कि 1971 में इंदिरा गांधी ने जैसी कार्रवाई की थी, वैसी ही कार्रवाई फिर करने की जरूरत है, तब जाकर बात बनेगी।"
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बहुत बड़ी रक्षा शक्ति बनने के सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा, "अभी युद्ध चल रहा है और आगे देखते हैं कि क्या होता है? हमारी सेना बहुत मजबूत, सजी और प्रशिक्षित है। दुनिया कीसर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है।"
पीएम मोदी की अगुवाई में आए एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 के बेहतरीन कार्य करने पर उन्होंने कहा, "हथियार पहले से आते रहे हैं। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री, आईएएनएस विक्रांत क्या मोदी जी लाए हैं? सेना ने अच्छा काम किया, सेना को जिन हथियारों की जरूरत थी, उन्होंने सरकार से मांगा और सरकार ने उसे दिया। ऐसे में हम सेना को इसका क्रेडिट देते हैं।"
राफेल के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा, "अभी कुछ कहने का समय नहीं है और फ्रांस की मीडिया कुछ और ही कह रही है, लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि हमारी सेना ने बहुत शौर्य का कार्य किया।"
पहलगाम हमले का बदला पूरा लेने के सवाल पर उन्होंने कहा, "अभी कहां पूरा जवाब दिया गया है। पीओके में नौ जगहों पर बमबारी के बाद भी पुंछ में पाकिस्तान की तरफ से हरकत की गई। उसके बाद गुरुवार शाम को भी हमले का दुस्साहस किया। अभी सबक नहीं सीखा। वह तो ढीठ होता जा रहा है। अगर पाकिस्तान ने सबक सीखा होता तो पीओके में बमबारी के बाद उन्हें डर जाना चाहिए था। उनको डराने के लिए और ताकत की जरूरत है, 1971 जैसे एक्शन की जरूरत है।"

# धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने पर भारत ने की पाकिस्तान की आलोचना

**नई दिल्ली।** पाकिस्तानी सैनिकों की तरफ से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय क्षेत्र में भारी मोर्टार गोलाबारी के बीच भारत ने शुक्रवार को धार्मिक स्थलों को विशेष रूप से निशाना बनाने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की और इसे "एक नया निम्न स्तर" करार दिया।
विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नई दिल्ली में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, "हमने देखा है कि पाकिस्तान ने गुरुद्वारों, चर्चों और मंदिरों सहित विशेष डिजाइन वाले पूजा स्थलों को निशाना बनाया और उन पर गोलाबारी की। यह पाकिस्तान के लिए भी एक नया निचला स्तर है।"
मिस्री ने पुंछ में गुरुद्वारे और ईसाई स्कूलों पर पाकिस्तानी सेना के हमले को उजागर किया। गुरुद्वारे पर हमले के दौरान गुरुद्वारे के रागी सहित सिख समुदाय के कुछ स्थानीय सदस्यों की मौत हो गई। पाकिस्तान के किसी भी धार्मिक स्थल को निशाना न बनाने के झूठे दावों का पदार्फाश हुआ।

उन्होंने कहा, "हमारे पास इस

अत्यंत खेदजनक और निंदनीय घटना के बारे में कुछ जानकारी है। नियंत्रण रेखा पर भारी गोलाबारी के दौरान, पाकिस्तान से दागा गया एक गोला पुंछ में कामेर्लाइट्स ऑफ द मैरी इमैकुलेट कॉन्ग्रिगेशन द्वारा संचालित क्राइस्ट स्कूल के ठीक पीछे गिरा। दुखद रूप से, पाकिस्तान से दागा गया गोला क्राइस्ट स्कूल के दो छात्रों के घर पर लगा और उनकी जान चली गई जबकि उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए।"
विदेश सचिव ने बताया, "एक और पाकिस्तानी गोला कांग्रेगेशन ऑफ मदर ऑफ कार्मेल से संबंधित नन के ईसाई कॉन्वेंट पर गिरा, जिससे पानी की टंकियां क्षतिग्रस्त हो गईं और सौर पैनल का बुनियादी ढांचा नष्ट हो गया। पाकिस्तान की गोलाबारी के दौरान कई पादरी, नन, स्कूल के कर्मचारी और स्थानीय निवासी स्कूल के नीचे एक भूमिगत हॉल में शरण लिए हुए थे। सौभाग्य से उस समय स्कूल बंद था, अन्यथा और अधिक नुकसान हो सकता था।" भारतीय सेना ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में निर्दोष नागरिकों की हत्या की कड़ी निंदा की और कहा कि ऐसे हमलों का दृढ़ और दंडात्मक कार्रवाई से जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान की "उकसाने वाली और आक्रामक कार्रवाई" गुरुवार रात को भी जारी रही, उसने सैन्य ठिकानों के अलावा भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया।

## 40 की उम्र में भी ग्लोइंग स्किन! इन 5 एंटी एजिंग ड्रिंक्स को करें डाइट में शामिल

**आजकल के खराब खानपान और बिना सोचे-समझे कोई भी स्किनकेयर प्रोडक्ट चेहरे पर लगा लेने से स्किन खराब हो जाती है. चेहरे पर दाग-धब्बे, मुंहासे, अनइवन स्किन टोन, पिगमेंटेशन होना अब आम बात हो गई है. कम उम्र से ही चेहरा खराब होने लगता है. अब ऐसे में आप घर पर कुछ ड्रिंक्स बना सकते हैं जो आपके स्किन को नेचुरली हील करने में हेल्प करेंगी.**

धूप, धूल-मिट्टी और प्रदूषण ये तीन मुख्य कारण हैं जिनकी वजह से आपको स्किन कम उम्र में ही डल दिखने लगती है. आप भले ही चेहरे पर कितने महंगे प्रोडक्ट्स लगा लें पर जब तक आप अपनी डाइट में सुधार नहीं करेंगे तो आपके चेहरे पर इसका असर दिखने लगेगा और आपकी स्किन का ग्लो कम हो जाएगा. बढ़ती उम्र में चेहरे पर झुर्रियों हो जाना या पिगमेंटेशन होना लाजमी है पर अगर आप अपने खानपान में सुधार कर लें तो आपकी स्किन ज्यादा उम्र में भी क्लीन एंड क्लीअर रहेगी.

तो इस आर्टिकल में जानते हैं कि आप कैसे स्किन का नेचुरल ग्लो बरकरार रख सकते हैं. उम्र बढ़ना जीवन का सत्य है पर बढ़ती उम्र के साथ त्वचा का निखार भी कम होने लगता है. इसलिए, अगर आप चाहते हैं कि आपकी उम्र से ज्यादा जवां आपकी स्किन दिखे तो इसके लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल को चेंज करने की जरूरत है.

आप क्या खा रहे हैं. क्या पी रहे हैं और चेहरे पर क्या लगा रहे हैं ये बातें ही बता देती हैं कि आपकी स्किन ग्लोइंग होगी या नहीं. पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के साथ-साथ अपनी डाइट में अगर आप कुछ होममेड ड्रिंक्स को शामिल कर लें तो आपकी त्वचा हाइड्रेटेड, सॉफ्ट और स्मूद लगेगी.

अपनी डाइट में शामिल करें ये एंटी एजिंग ड्रिंक्स

रोजाना पिएं ग्रीन टी

ग्रीन टी के बहुत ही बेहतरीन एंटी एजिंग ड्रिंक्स में से एक है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आपकी स्किन को नेचुरल ग्लो देने में हेल्प करते हैं और इसका रोज सेवन करने से आपकी त्वचा का निखार बरकरार रहता है.

चुकंदर का जूस भी है लिस्ट में

क्या आपको भी पिंकिश ग्लो चाहिए. तो अपनी डाइट में चुकंदर के जूस को शामिल करना न भूलें. चुकंदर में मौजूद पोषक तत्व जैसे विटामिन सी, आयरन, मैग्नीशियम न केवल आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं पर आपके कॉम्प्लेक्शन को भी बेटर बनाते हैं.

अनार के रस से मिलेगी हेल्दी स्किन

अनार में एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज होती है जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है. रोजाना इसका सेवन करने से आपको सन डैमेज से भी राहत मिलती है और शरीर में कोलेजन बूस्ट होता है जो स्किन को सॉफ्ट और स्मूद बनाने में मदद करता है.

हल्दी वाला दूध से रहेगी स्किन जवां

हमारी दादी-नानी भी रात को सोने से पहले हल्दी का दूध जरूर पीती थी. तभी तो उनकी स्किन इतनी बेदाग और चमकदार लगती थी. हल्दी में एंटी बैक्टीरियल, एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं जो स्किन में निखार लाने में हेल्प करते है और स्किन प्रॉब्लम्स जैसे एक्ने, एक्जिमा और सोरायसिस जैसी समस्याओं से भी राहत दिलाते है.

# अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता 9 मई से स्विट्ज़रलैंड में होगी शुरू

चीनी स्रोतों ने घोषणा के बाद कहा कि चीन की स्थिति सुसंगत है। चाहे टकराव हो या बातचीत, चीन का अपने विकास हितों की रक्षा करने का संकल्प कभी नहीं डगमगायेगा, न ही अंतरराष्ट्रीय निष्पक्षता और न्याय तथा वैश्विक आर्थिक और व्यापार व्यवस्था को बनाये रखने में उसका रुख और उद्देश्य कभी डगमगायेगा।अब यह आधिकारिक हो गया है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा चीन के लिए अमेरिकी टैरिफ दरों को कम करने, वार्ता के लिए अपने इरादे की घोषणा करने, और उसके बाद कुछ दिनों तक प्रतीक्षा करने के बाद, चीन ने बुधवार की सुबह पुष्टि की कि एक उच्च स्तरीय चीनी वार्ता दल 9 मई से चार दिनों के लिए स्विट्जरलैंड का दौरा करेगा, जहां वह ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के नेतृत्व में अमेरिकी उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता करेगा। यह राष्ट्रपति ट्रम्प और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दो कार्यालयों द्वारा पिछले कुछ दिनों में की गयी बैक चैनल चर्चाओं का परिणाम था।अमेरिका और चीन के बीच चल रहे टैरिफ युद्ध में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने पिछले महीने के अंत में सबसे पहले तब कदम उठाया जब उन्होंने कुछ चीनी वस्तुओं पर दरें कम कीं और कहा कि वह राष्ट्रपति शी से बात करेंगे और मामले को सुलझा लेंगे। इसके तुरंत बाद उन्होंने कहा कि उन्होंने चीनी राष्ट्रपति से बात की। उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर बात करने की आदत है। उन्होंने सीधे राष्ट्रपति शी से बात नहीं की, लेकिन उनके सलाहकार चीनी राष्ट्रपति के अधिकारियों के संपर्क में थे। इस तरह से ट्रंप ने शी के साथ अपनी बैठक के बारे में जो कहा, वह आधा सच था। दोनों राष्ट्रपतियों के अधिकारी बात कर रहे थे।अब कुछ बुनियादी बातों पर चर्चा के बाद, दोनों प्रतिनिधिमंडल चार दिनों के लिए तीसरे देश स्विट्जरलैंड में बैठक करेंगे, ताकि विस्तार से चर्चा की जा सके। व्यापार वार्ता इस बार निर्णायक नहीं हो सकती है, लेकिन इससे आगे की बैठकें आयोजित करने की प्रक्रिया आसान हो जायेगी, ताकि ट्रंप और शी आखिरकार मिल सकें और समझौते पर हस्ताक्षर कर सकें। यह याद रखना होगा कि व्यापार वार्ता उस समग्र समझौते का केवल एक हिस्सा है, जिसे ट्रंप अपने वैश्विक आख्यान के हिस्से के रूप में शी जिनपिंग के साथ करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें समय लगेगा और अगर जरूरत पड़ी तो इसे अलग-अलग हिस्सों में बांटा जायेगा, ताकि अन्य क्षेत्र प्रभावित न हों।चीनी स्रोतों ने घोषणा के बाद कहा कि चीन की स्थिति सुसंगत है। चाहे टकराव हो या बातचीत, चीन का अपने विकास हितों की रक्षा करने का संकल्प कभी नहीं डगमगायेगा, न ही अंतरराष्ट्रीय निष्पक्षता और न्याय तथा वैश्विक आर्थिक और व्यापार व्यवस्था को बनाये रखने में उसका रुख और उद्देश्य कभी डगमगायेगा। अगर हमें लड़ना होगा तो हम लड़ेंगे। अगर अमेरिका बात करना चाहता है तो हमारे दरवाजे खुले हैं। संवाद और बातचीत समानता, सम्मान और आपसी लाभ पर आधारित होनी चाहिए, प्रवक्ता ने आगे कहा।सेंटर फॉर चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन के वरिष्ठ फेलो ही वेइवेन ने बुधवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि स्विट्जरलैंड में चीनी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच होने वाली आगामी बैठक एक सकारात्मक विकास को दर्शाती है। %यह तथ्य कि दोनों पक्ष मिलेंगे, एक अच्छा संकेत है, लेकिन कुंजी अमेरिकी पक्ष में है,% ही वेइवेन ने कहा, इस बात पर जोर देते हुए कि कोई ठोस परिणाम निकलता है या नहीं, यह वाशिंगटन की अपनी अन्यायपूर्ण और अवैध टैरिफ नीति को सही करने की इच्छा पर निर्भर करेगा-चीन पर बिना किसी पूर्व शर्त के या किसी मांग के। उन्होंने कहा, केवल तभी सार्थक बातचीत हो सकती है जब अमेरिका अपनी गलतियों को बदल दे।

वैश्विक व्यापार विशेषज्ञों ने उल्लेख किया है कि ट्रम्प जल्दी बातचीत में अधिक रुचि रखते थे क्योंकि उनके सलाहकारों ने उन्हें बताया था कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अमेरिका के कई व्यापार भागीदारों से बात कर रहे हैं और यदि ट्रम्प अभी भी चीन और अन्य देशों पर अपने मजबूत टैरिफ रुख पर कायम रहते हैं, तो शी जिनपिंग इस समय का उपयोग कुछ और देशों को अमेरिका के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रभावित करने के लिए करेंगे। अमेरिका के 180 देशों के साथ व्यापार भागीदारी है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण 50 से 75 देश हैं, जिनके साथ अमेरिकी राष्ट्रपति 90 दिन के विराम के भीतर व्यापार वार्ता शुरू करने की उम्मीद करते हैं, जो इस साल जुलाई के पहले सप्ताह में समाप्त हो रहा है।केवल कुछ ही दिन पहले 4 मई को इटली के मिलन में आयोजित 28वीं आसियान प्लस थ्री वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया सहित आसियान सदस्यों ने जारी एक संयुक्त बयान में बढ़ती संरक्षणवाद और अस्थिर वैश्विक वित्तीय स्थितियों सहित बढ़ती अनिश्चितताओं को दूर करने के लिए क्षेत्रीय एकता और सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया था।संयुक्त बयान, जिसमें अमेरिका का नाम नहीं लिया गया था, ऐसे समय में आया जब अमेरिका द्वारा लगाये गये नये टैरिफ दक्षिण पूर्व एशिया को बुरी तरह प्रभावित करने का खतरा पेश कर रहे है, निक्केई एशिया ने रिपोर्ट की। चीनी वित्त मंत्री लैनफोआन ने बैठक में भाग लिया और कुछ सत्रों की सह-अध्यक्षता की। लैन ने जोर देकर कहा कि- वैश्विक अर्थव्यवस्था गहन समायोजन से गुजर रही है, वैश्वीकरण के सामने चुनौतियां हंक और एकतरफावाद और संरक्षणवाद बढ़ रहा है। अस्थिरता और अनिश्चितताएं उल्लेखनीय रूप से बढ़ी हैं। 10+3 क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाएं मजबूत लचीलापन प्रदर्शित करती हैं और उनमें महत्वपूर्ण विकास क्षमता है, लेकिन वे जटिल और गंभीर आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का भी सामना करती हैं।लैन ने कहा कि चीन 10+3 ढांचे में सभी पक्षों के साथ काम करने के लिए तैयार है ताकि खुलेपन और समावेशिता को बनाये रखा जा सके, एकजुटता और सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके और इस क्षेत्र की स्थिरता और निश्चितता के साथ वैश्विक अस्थिरता और अनिश्चितता को संबोधित करने के लिए क्षेत्रीय वित्तीय सहयोग को लगातार गहरा किया जा सके। बैठक के बाद आसियान वेबसाइट पर जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि बढ़ते व्यापार संरक्षणवाद से वैश्विक व्यापार पर भार पड़ता है, जिससे वैश्विक अस्थिरता और अनिश्चितता को बढ़ावा मिलता है। आर्थिक विखंडन के कारण व्यापार, निवेश और पूरे क्षेत्र में पूंजी प्रवाह प्रभावित हो रहा है। निकट भविष्य की संभावनाएं अन्य बाहरी जोखिमों से भी प्रभावित हो सकती हैं, जिसमें सख्त वैश्विक वित्तीय स्थितियां, प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में विकास में मंदी और निवेश प्रवाह में कमी शामिल है।अमेरिका जापान और आसियान देशों के साथ सबसे अधिक मित्रवत है, फिर भी शिखर सम्मेलन के बाद जारी किये गये बयान के लहजे से पता चलता है कि ट्रंप के एकतरफा टैरिफ वृद्धि कदम के खिलाफ उसे दिशा देने में चीन का प्रभाव है। व्यापार कूटनीति में अमेरिका को मात देने के लिए चीन अब जो कर रहा है, वह यह है कि राष्ट्रपति शी खुद को अमेरिका के घोर संरक्षणवाद के खिलाफ नियम आधारित वैश्वीकरण के नायक के रूप में पेश कर रहे हैं।

अमेरिकी सलाहकारों ने इस पर ध्यान दिया है और ट्रंप से कहा है कि वे चीन को व्यापार वार्ता में शामिल करें ताकि अन्य देश भी इसका अनुसरण करें।वैश्विक टैरिफ युद्ध ने कुछ क्षेत्रों में चीन को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। हालांकि चीन यह स्वीकार नहीं करता है कि कुछ क्षेत्रों में उत्पादन पैमाने को कम किया गया है, जो नवीनतम टैरिफ युद्ध में अत्यधिक प्रभावित हुए हैं।

चीनी अर्थव्यवस्था में लचीलापन है, लेकिन यह अमेरिकी बाजार को निर्यात पर इतना अधिक निर्भर है कि अगर ट्रंप अपनी दरों में बदलाव नहीं करते हैं तो उसके पास बहुत सीमित विकल्प हैं। इसी तरह ट्रम्प के पास भी चीन के साथ जल्द से जल्द व्यापार समझौता करने की मजबूरी है। लेकिन भू-राजनीति भी इसमें बहुत बड़ी भूमिका में है क्योंकि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं वर्चस्व के लिए लड़ रही हैं। 9 मई से होने वाली स्विटजरलैंड वार्ता दोनों देशों के बीच विकसित हो रहे व्यापार संबंधों के रुझान का संकेत देगी।

## संपादकीय

## युद्ध जैसे हालात में सरकार से अपेक्षा

मंगलवार की आधी रात को पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर स्थित जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान की तरफ से भयंकर गोली बारी शुरु की गई, जिसमें कम से कम 16 लोगों के मारे जाने की खबर है, साथ ही लांस नायक दिनेश कुमार शहीद भी हुए हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान ने इसके अलावा भारत के अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि पाकिस्तान के इन हमलों को एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम ने बेअसर कर दिया। भारत के रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तानी ड्रोनों के मलबे अब कई स्थानों से बरामद किए जा रहे हैं जो इस बात को साबित करते हैं कि पाकिस्तान ने हमला किया था।

जाहिर है हमारी सेना और मजबूत रक्षा तंत्र ने इस तरह देश की रखवाली की कि व्यापक तौर पर नागरिकों को पाकिस्तान की तरफ से हुए हमलों का पता ही नहीं चला। इस साहसिक कृत्य के लिए सेना की जितनी सराहना की जाए, कम है। इस समय सारा देश यही कर भी रहा है। गुरुवार को जब सरकार ने सभी दलों की बैठक फिर से बुलाई, तब भी तमाम दलों ने एकजुटता का भरोसा सरकार को दिलाया।युद्ध के मुहाने पर खड़े इस कठिन दौर से गुजरते हुए भारत का हर विपक्षी दल और नागरिक अपने परस्पर विरोधों को भुलाकर सरकार और सेना के साथ खड़ा है लेकिन यह बेहद दुखद और आश्चर्यजनक बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो देश का नेतृत्व करते हैं, इस विषय पर गुरुवार को दिल्ली में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पुनः अनुपस्थित रहे। पुनः शब्द का इस्तेमाल इसलिये किया जा रहा है क्योंकि पहलगाम हमले के बाद 24 अप्रैल को बुलाई गई ऐसी ही बैठक में मोदी नहीं आये थे। हालांकि उन्होंने आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर से भी पकड़ लाने का वादा देश से किया था। सेना ने संयुक्त ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में दहशतगर्दों द्वारा चलाये जा रहे आतंकी कैंपों को उड़ा दिया। लेकिन इस दौरान सरकार को कम से कम सीमावर्ती इलाकों से नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने का इंतजाम कर लेना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो शायद पुंछ में जो नुकसान हुआ, वह न होता। पुंछ इलाके में मारे गये नागरिक ज्यादातर किसान हैं। एक तरह से देखें तो ये सर्जिकल स्ट्राइक हो या सीमा के आर-पार की बम वर्षा के कारण लगभग युद्ध की स्थिति है।ऐसे में सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री का न आना यह बतलाता है कि वे लोगों से मिल रहे जनसमर्थन के कारण विपक्ष ही नहीं, नागरिकों व यहां तक कि संसद को भी काफी हल्के में ले रहे हैं। याद हो कि 22 अप्रैल को हुए बैसरन कांड के वक्त मोदी सऊदी अरब के दौरे पर थे जिसे छोड़कर वे भारत लौटे थे। इससे यह महसूस किया गया था कि वे स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए लौटे हैं। इसके विपरीत उन्होंने न तो राष्ट्र के नाम संदेश दिया और न ही कोई ऐसा बड़ा कदम उठाया जिससे महसूस हो कि वे किसी बड़े फैसले को लेने या उसे क्रियान्वित करने के लिये उद्धत हैं। वे बिहार चले गये जहां उन्होंने वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ एक रैली की। यहां इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने हैं। मंच पर उनकी और नीतीश बाबू के बीच होती हंसी-ठिठौली की तस्वीरें व वीडियो लोगों को चकित करते रहे। उन्होंने सर्वदलीय बैठक में हिस्सा नहीं लिया और न ही सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया जिसकी सम्पूर्ण विपक्ष मांग कर रहा था। जनता को भी इसकी अपेक्षा थी।मोदी वही कहानी दोहराते नज़र आ रहे हैं- न तो सर्वदलीय बैठक में जाना, न राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित करना और न ही संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की पेशकश को सुनना। गुरुवार की बैठक में शामिल लगभग सभी दलों ने एक बार फिर से इस बात की घोषणा की कि वे पूरी तरह से सरकार के साथ हैं और वह जो भी कदम उठाये, वे उसका समर्थन करते हैं। सेना से जुड़ी गोपनीय बातों का जिक्र नहीं करना है, इसलिए बैठक से बाहर आकर किसी नेता ने कोई ऐसा बयान नहीं दिया.

# हिंद की सेना का जवाब कि, 'हां तुम एक विफल राष्ट्र हो!'

पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर का द्वि-राष्ट्रवाद के सिद्धांत का उल्लेख भी यही बताता है कि कैसे एक विफ़ल राष्ट्र को जब-तब अपने किए-धरे को उचित बताने की नाकाम कोशिश करनी पड़ती है। इससे पहले मुनीर ने एक अन्य कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था।

पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र है क्योंकि इसका जन्म ही नफ़रत की बुनियाद पर हुआ है। अंग्रेजों से आज़ाद होते ही भारत का बंटवारा हुआ और मानवता ने जिस वीभत्स मंज़र को देखा, उसकी मिसाल कम मिलती हैं। कई कलाकार, लेखक और पॉलिटिशियन मज़हब के आधार पर बंटे पाकिस्तान में चले तो गए लेकिन उम्र भर सिर्फ हिंदुस्तान को ही याद करते रहे, अपने दोस्तों से मिलने के लिए तड़पते रहे जैसे उन्हें यह अहसास हो गया था कि ग़लती हो चुकी है और समय का पहिया अब पीछे नहीं खींचा जा सकता। जो लिख सकते थे, उनके शब्दों में यह दर्द बयां हुआ और बाक़ी अपने दिलों में इस टीस के साथ ज़िंदा रहे। मशहूर और बेहतरीन कहानीकार सआदत अली हसन मंटो( दो दिन बाद उनकी सालगिरह है) उन्हीं में से एक थे। उन्होंने विभाजन के समय हुए दंगों की त्रासदी को भीतर तक उतारा और फिर पन्नों पर। टोबा टेकसिंह और खोल दो उनकी ऐसी ही महान रचनाएं हैं। मंटो दोस्तों को अक्सर लिखा करते थे कि, च्यार मुझे वापस बुला लो!ज् उन्होंने खुदकुशी की कोशिश भी की थी।

वे बहुत कम (43 साल) जी पाए। जैसे चिंता और जीवन का कोई गहरा रिश्ता हो। यूं तो मंटो के बारे में कहने को इतना कुछ है कि मंटो पढ़ाई-लिखाई में कुछ ख़ास नहीं थे, कि मंटो कॉलेज में उर्दू में ही फ़े ल हो गए थे, कि शायर फैज़ अहमद फ़ज़ मंटो से केवल एक साल बड़े थे, कि उन्हें भी चेखोव की तरह टीबी था, कि वे बेहद निडर थे, कि उनकी कई कहानियों पर अश्लीलता के मुक़दमे चले और उनकी कहानियां तो बस इंसान को चीर के ही रख देती हैं। विभाजन से पहले के बॉम्बे में उनके किस्से-कहानियां फिल्म इंडस्ट्री की जान हुआ करते थे। बेशक मंटो का फिर पैदा होना मुश्किल है लेकिन अफ़सोस यह भी कि एक बेहतरीन कथाकार नफ़रत की भेंट चढ़ गया और असमय मौत की नींद सो गया।

ऐसे ही एक शायर रईस अमरोही थे जो जॉन एलिया के बड़े भाई थे। वे भी बंटवारे को बर्दाश्त नहीं कर पाए। उनका परिवार उत्तर प्रदेश के अमरोहा का था जो 1947 में पाकिस्तान चला गया। उनकी मेटाफिजिक्स, ध्यान और योग पर कई किताबें प्रकाशित हुईं। उनका भी दिल केवल भारत के लिए धड़कता रहा। वे लिखते हैं-

हिन्द की बहारों, तुम को सलाम पहुंचे
बिछड़े हुए नज़ारों, तुम को सलाम पहुंचे
भारत के चांद तारों, तुम को सलाम पहुंचे
बरसों के बाद यारों तुम को सलाम पहुंचे
ये नामा-ए -मोहब्बत यारों के नाम ले जा
ओ हिंद जाने वाले मेरा सलाम ले जा।

उनकी ऐसी कई नज़्मों का ज़िक्र और प्रकाशन विदेश सेवा के अधिकारी और सांसद रहे मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब पाकिस्तान पेपर्स में किया है। रईस अमरोही की 1988 में एक कट्टरपंथी समूह ने उनकी लाइब्रेरी में ही हत्या कर दी। कट्टरपंथी केवल किसी धर्म के ख़िलाफ़ नहीं होते। वे हर उस व्यक्ति के ख़िलाफ़ होते हैं जो उदारता की बात करता है, तरक्क़ी की बात करता है, शांति की बात करता है। वे खुद में एक ज़िंदा बम होते हैं। ऐसे बीमार जिन्हें ताज़ा हवा कभी छूकर भी नहीं गुज़री होती। शक और डर में जीने वाले हैवानों का कुनबा जो निर्दोषों का खून बहाना जानता है। वे ही 22 अप्रैल को पहलगाम आए थे और कई स्त्रियों के सिंदूर उजाड़ गए। खुद मोहम्मद अली जिन्ना, जिन्हें पाकिस्तान का जनक और क़ायदे आज़म बताया जाता है, वे भी अपनी ज़िन्दगी में ही अनुभूत कर चुके थे कि पाकिस्तान का बनाना उनकी ग़लती थी। वे पाकिस्तान बनने के बाद केवल एक साल ज़िंदा रहे। मज़हब के आधार पर एक देश बनाने वाले ने कहा था- %पाकिस्तान कोई ईश्वर शासित राज्य नहीं होगा जहां पीर-पुज्जे किसी खास मक़सद से राज करेंगे। देश में कई गैर मुस्लिम भी हैं जिन्हें समान अधिकार होंगे और वे मिलकर पाकिस्तान की तरक्की में शामिल होंगे। अफ़सोस ऐसा हो न सका क्योंकि बुनियाद ऐसी नहीं थी।

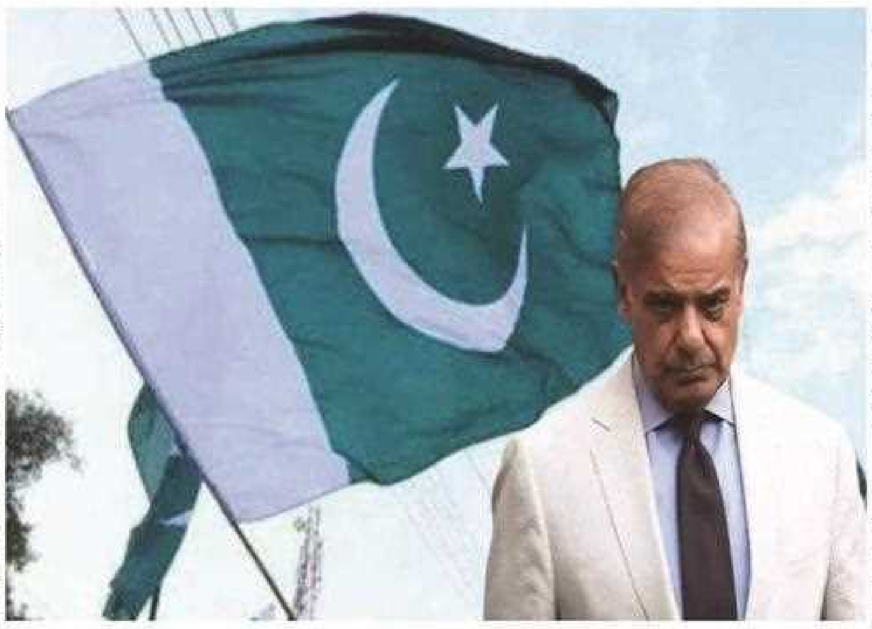

पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर का द्वि-राष्ट्रवाद के सिद्धांत का उल्लेख भी यही बताता है कि कैसे एक विफ़ल राष्ट्र को जब-तब अपने किए-धरे को उचित बताने की नाकाम कोशिश करनी पड़ती है। इससे पहले मुनीर ने एक अन्य कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। इस बार वे खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में कैडेट की पासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे। मुनीर ने कहा- द्वि-राष्ट्र सिद्धांत इस बुनियादी मान्यता पर आधारित था कि मुसलमान और हिंदू दो अलग-अलग मुल्क हैं, एक नहीं। मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं- धर्म, रीति-रिवाज, परंपरा और सोच में हिंदुओं से अलग हैं।%% तब सवाल यही है कि बांग्लादेश क्यों पाकिस्तान से अलग हुआ? पाक सेना के प्रमुख यहां बुरी तरह फेल हुए हैं और फ़ेल हुआ है उनका मज़हब के आधार पर दो राष्ट्र बनाने का सिद्धांत। अगर जो भारत के सियासी दल धर्म को सियासत में शामिल करते रहे तब पाकिस्तान ज़रूर बांग्लादेश से सांठगांठ कर बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

साफ़ है कि एक विफल राष्ट्र का सेनाध्यक्ष कैसे अपनी सोच को सही बताने के इरादे से कुतर्क का सहारा लेने लगता है, जबकि भारत का सच दुनिया के सामने है। इसकी वजह जिन्ना के समकालीन हमारे नेताओं की दृष्टि और सोच है। पाकिस्तान के मज़हबी आधार पर निर्माण के बावजूद उन्हें कोई दुविधा नहीं थी कि वे भविष्य में कैसा भारत बनाएंगे। उन्होंने विश्व का बेहतरीन संविधान गढ़ा। देश जहां हर वर्ग, धर्म के नागरिक समान और मौलिक अधिकारों के दायरे में होंगे। कोई भेदभाव नहीं होगा। आज भारत और पाकिस्तान दोनों कहां खड़े हैं? उसके पीछे 1947 की भीषण त्रासदी के बावजूद हमारे नेताओं की सर्वधर्म समभाव की सोच रही। इस सोच का परिचय भारतीय सेना ने बुधवार को तब भी दिया जब दो महिला अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दुनिया से साझा की। उन्होंने भारतीय सेना और वायु सेना की संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की। विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने विदेश सचिव मिस्री के साथ ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देते हुए मंगलवार रात एक बजे से डेढ़ बजे तक पाकिस्तान में निशाना बनाए गए ठिकानों के नाम और विवरण साझा किए।

सिग्नल कोर की अधिकारी सोफिया कुरैशी ने हिंदी में बात की, जबकि विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने अंग्रेजी में बात कही। कर्नल सोफिया ने 2016 में बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व भी किया था। उनके परिवार की पृष्ठभूमि सेना में सेवा देने की रही है। सोफिया कुरैशी के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने कहा- %हमें बहुत गर्व है। हमारी बेटी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़ा काम किया है। पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए। मेरे दादा, मेरे पिता और मैं सभी सेना में थे। अब वह भी सेना में है। ऑपरेशन सिंदूर के साथ यह काफ़ी है पाकिस्तान को भारत के अब तक के सफर और सोच को बताने के लिए।उधर पाकिस्तान की सूचना मंत्री और पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खर ने कई विदेशी चैनलों को साक्षात्कार दिए लेकिन आतंकवादियों को पनाह देने के ख़िलाफ़ उनके पास कोई जवाब नहीं था क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में घुसकर मारा था। भारत के ख़िलाफ़ आतंक का प्रयोग पाकिस्तान की सेना और शासन दोनों के लिए खाद-पानी का काम करता रहा। उनका लोकतंत्र हमेशा सेना की बैसाखियों पर सवार रहा। पहलगाम नरसंहार के बावजूद भारतीय सेना ने सुरक्षात्मक रवैया अपनाया है। कोई सैनिक और नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया क्योंकि युद्ध खुद एक मसला होता है किसी मसले का हल नहीं।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

# IGRS पर प्राप्त समस्याओं के समाधान को निगम दे रहा रफ्तार

## शिकायतों के निस्तारण उपरांत शिकायतकर्ता का फीडबैक लेना अनिवार्य- अपर नगर आयुक्त

**लोक प्रेरणा**

**गाजियाबाद ।** नगर निगम जन समस्याओं के समाधान को लेकर रफ्तार से कार्य कर रहा है इसी क्रम में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली पर भी प्राप्त शिकायतो तथा संदर्भों के लिए विभागों द्वारा जोरो से कार्य किया जा रहा है, आइजीआरएस प्रभारी अरुण कुमार यादव के द्वारा सभी विभागों द्वारा शिकायतों के निस्तारण पर किए जा रहे कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है, मई माह के 10 दिनों में 413 संदर्भ एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के द्वारा प्राप्त हुई है जिनमें से लगभग सभी शिकायतों पर विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है जिसमें से 100 शिकायतों का गुणवत्ता पूर्वक निवारण किया जा चुका है बाकी शिकायतों पर तेजी से कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा हैह्न अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव जो की आईजीआरएस प्रभारी है जिनके द्वारा बताया गया कि प्राप्त शिकायतों का समाधान गुणवत्ता पूर्वक हो इसकी मॉनिटरिंग लगातार विभागीय अधिकारियों द्वारा की जा रही है प्रतिदिन प्राप्त संदर्भों पर शिकायतकर्ता से सीधा संपर्क करते हुए समाधान करने की प्रक्रिया को अपनाया जा रहा है, प्रतिदिन 70 से 80 संदर्भ आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त हो रहे हैं, सबसे अधिक शिकायतें आईजीआरएस के माध्यम से जलकल विभाग की प्राप्त हो रही है जिसका जलकल विभाग द्वारा निस्तारण करने का कार्य किया जा रहा है, आईजीआरएस के माध्यम से विजयनगर जोन की सबसे कम शिकायत प्राप्त होती है, अरुण कुमार यादव द्वारा यह भी बताया गया की शिकायतों के निस्तारण करने के लिए समस्त विभागीय अधिकारियों को भी सीधा शिकायतकर्ता से वार्ता करने की निर्देश दिए हुए हैं जिसके क्रम में सभी विभागों के अधिकारी सीधा शिकायतकताओं से समन्वय करते हुए समस्या का समाधान करने में जुटे हुए हैंह्न महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम द्वारा त्वरित कार्यवाही के क्रम में शिकायतों का समाधान कराया जा रहा है जिसमें एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से समस्या के समाधान को तेजी दी जा रही है प्रतिदिन की प्रक्रिया में सभी विभाग शिकायतकताओं से सीधा संपर्क करते हुए समस्याओं के समाधान कर रहे हैं सबसे काम समस्याएं प्रकाश विभाग की प्राप्त हो रही है जो की सराहनीय हैं, माननीय पार्षदों द्वारा भी शिकायतों के समाधान में अहम भूमिका निभाई जा रही है जनहित में गाजियाबाद नगर निगम समस्याओं के समाधान को लेकर सजग है बेहतर कार्य कर रहा है, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार सभी विभागीय अधिकारी समय पर प्राप्त संदर्भों का निस्तारण कर रहे हैं, निर्माण विभाग की 78, प्रकाश विभाग की 52, जलकल विभाग की 105, स्वास्थ्य विभाग की 87, जन्म मृत्यु संबंधित 5, उद्यान संबंधित 38, प्रॉपर्टी संबंधित 4, अतिक्रमण संबंधित 17, प्रकरण पर कार्यवाही प्रक्रिया में है गाजियाबाद नगर निगम संबंधित विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है(

## एओए अध्यक्ष का पद कुशलता पूर्वक संभाल रहीं महिलाएं

**लोक प्रेरणा**

**गाजियाबाद।** राजनगर एक्सटेंशन की दो सोसायटियों में महिलाओं ने अपार्टमेंट ऑफ फ्लैट ऑनर एसोसिएशन (एओए) में अध्यक्ष पद संभाल रखा है। इन्होंने कई नियम बदले हैं और बेहतर काम कर रही हैं। स्टार रामेश्वरम सोसायटी में जहां सभी शीर्ष पदों पर महिलाएं चुनी गई हैं, वहीं बाल मुकुंद सोसायटी में मुस्लिम महिला को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। दोनों ही सोसायटियों में इन्होंने कई नियम बदले हैं।इस बार स्टार रामेश्वरम सोसायटी में चित्रा सिंह को अध्यक्ष, रश्मि चौहान संयुक्त सचिव, चिंकी शर्मा को कोषाध्यक्ष और कीर्ति श्रीवास्वत सदस्य के पद पर हैं। इस संबंध में एओए अध्यक्ष चित्रा सिंह ने बताया कि कार्यकारिणी में कुल 10 लोग होते हैं, जिसमें से चार पदों पर महिलाएं चुनी गई हैं। उनका कहना है कि महिलाओं में काफी धैर्य होता है, वह सबकी बात अच्छी तरह सुनती हैं। इसलिए समस्याएं भी अधिक हल कर पाती हैं। हम चारों गृहणी हैं तो पूरा समय एसोसिएशन को देते हैं। हमसे महिलाएं अपनी बात खुलकर कह पाती हैं। इससे समस्या का समाधान भी आसानी से होता है। हमने साफ-सफाई पर अधिक ध्यान दिया है। बिजली, पानी और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर अधिक ध्यान दिया जाता है। बात सुनकर तत्काल हल किया जाता है। सबसे बड़ी बात सभी आपकी बात मानते हैं, यह काफी अच्छा लगता है। यहां हर घरेलू सहायिका को हर महीने दो सैनेटरी पैड का वितरण किया जाता है। कुत्तों को घूमाने और खाना खिलाने के लिए कई नियम बनाए गए हैं, जिसका सख्ती से पालन कराया जाएगा। यहां 550 फ्लैट हैं, जिनमें 1500 लोग रहते हैं।बाल मुकुंद सोसायटी की एओएस अध्यक्ष शबनम खान पेशे से वकील हैं। इस बार एसोसिएशन ने उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष चुना है। उनका कहना है कि हमारी सोसायटी में पहली बार कोई महिला इस पर पद पर चुनी गई है, वो भी मुस्लिम। शबनम बार एसोसिएशन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी हैं। उनका कहना है कि सोसायटियों में बहुत समस्याएं हैं। किसी महिला के अध्यक्ष पद पर होने से महिलाएं अपनी बात ज्यादा आसानी और खुलकर कह पाती हैं। इससे उनकी समस्या हल करने में आसानी होती है। सबसे बड़ी बात सुरक्षा पर महिलाएं विशेष जोर देती हैं।

ये बनाए नियम

1-सुरक्षा के लिहाज से उन्होंने बूम एरिया बनाकर उसमें बैरियर लगवाए।

2- कुत्ता काटने पर मालिक को इलाज से लेकर केस तक का सारा खर्च वहन करना होगा। जरूरत पड़ने पर पीड़ित की ओर से एओए केस लड़ेगी।

3-बिना एओए की अनुमति लिए किराएदार कुत्ता नहीं रख सकते।

4- सोसायटी में फीडिंग सेंटर नहीं बनाया जाएगा, क्योंकि इससे समस्याएं और बढ़ती हैं। कुत्ते को लेकर आए दिन विवाद होता है।

5- जिस निवासी को कुत्तों को खाना खिलाना हो, वह सोसायटी से 500 मीटर दूर बाएं और 500 मीटर दूर दाएं जाकर ही भोजन खिला सकता है। उनका कहना है कि कुत्ता प्रेमी खाना खिलाने लगते हैं और जब उन्हें नहीं मिलता तो कुत्ते उत्तेजित होकर काटने लगते हैं, इसलिए ऐसा नियम बनाया गया है कि सोसायटी के बाहर खाना खिलाएं।

6-सुरक्षा को लेकर अन्य कई नियम बनाए गए हैं, जिन्हें हर कोई मान रहा है। काफी अच्छा लग रहा है।

## भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम, आतंकवाद का होगा समूल नाश: सुरेन्द्रनाथ अवधूत

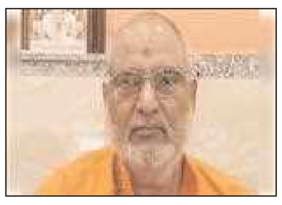

**नई दिल्ली/बलिया ।** दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पीठाधीश्वर सुरेन्द्रनाथ अवधूत ने हाल ही में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव और भारतीय सेना के साहसिक कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहलगाम में निर्दोष हिंदुओं की नृशंस हत्या का बदला लेने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों ने "ऑपरेशन सिंदूर" शुरू किया।

सुरेन्द्रनाथ अवधूत ने भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम करते हुए केंद्रीय नेतृत्व की भी प्रशंसा की, उन्होंने देशवासियों से एकजुटता का आह्वान करते हुए कहा, "पहलगाम में निर्दोष हिंदुओं की हत्या का बदला लेने के लिए हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया है, जिसमें आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है और उन्हें नष्ट किया गया है।"

उन्होंने आगे कहा, " हम भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम करते हैं और केंद्र सरकार को बधाई देते हैं कि उन्होंने उन्हें जोरदार जवाब देने की पूरी आजादी दी। ऐसे समय में जब भारत और पाकिस्तान युद्ध की स्थिति में हैं, हम देवी भगवती से प्रार्थना करते हैं कि वे हमारी सेनाओं के लिए शक्ति और सामर्थ्य प्रदान करें, ताकि वे न केवल आतंकवाद के पोषक पाकिस्तान को करारा जवाब दे सकें, बल्कि आतंकवाद का समूल नाश भी कर सकें।"

## यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर : भारत की रक्षा जरूरतों के साथ ही रोजगार के नए द्वार भी खोलेगा

**लखनऊ।** पाकिस्तान के साथ मौजूदा संबंधों को देखते हुए भारत अपनी हर आवश्यक रक्षा जरूरतों को पूरा कर रहा है। निकट भविष्य में भारत की इन सभी जरूरतों को पूरा करने में उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर न सिर्फ रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, बल्कि प्रदेश में रोजगार सृजन का भी मजबूत आधार तैयार कर रहा है।

इस कॉरिडोर के तहत अब तक 170 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से करीब 30 हजार करोड़ रुपए का अनुमानित निवेश आकर्षित किया गया है, जिससे लगभग 50 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत अब तक 57 निवेशकों को भूमि पट्टे पर आवंटित की गई है, जो अपनी उत्पादन इकाइयों को स्थापित करने के विभिन्न चरणों में हैं। इन इकाइयों के माध्यम से 9,462.8 करोड़ रुपए का निवेश जमीनी स्तर पर साकार हो चुका है, जिससे 13,736 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि पहला पट्टा जून 2021 में निष्पादित किया गया था और मात्र चार वर्षों से कम समय में 57 उद्योग इस कॉरिडोर में अपनी सुविधाएं विकसित कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहा है, बल्कि भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कॉरिडोर में स्थापित होने वाली इकाइयां भारतीय सेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक उपकरण और हथियारों का निर्माण करेंगी, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

योगी सरकार का लक्ष्य कॉरिडोर के सभी नोड्स में निवेश और रोजगार के अवसरों को और विस्तार देना है। इसके अलावा, आगरा और चित्रकूट नोड्स में भी जल्द ही भूमि आवंटन और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया तेज की जाएगी। यह कॉरिडोर न केवल प्रदेश को औद्योगिक हब के रूप में स्थापित कर रहा है, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल रहा है। यह ह्यमेक इन इंडियाह्न और ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न के विजन को साकार करने की दिशा में भी एक ठोस कदम है।

कॉरिडोर के छह नोड्स (लखनऊ, अलीगढ़, कानपुर, झांसी, आगरा और चित्रकूट) में निवेश और रोजगार सृजन की व्यापक योजना कार्यान्वित हो रही है। प्रत्येक नोड में विशिष्ट रक्षा उत्पादों के निर्माण की दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है।

झांसी नोड में 16 कंपनियों को 531.09 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जिसके तहत 4,372.81 करोड़ रुपए का निवेश और 2,928 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रस्तावित है। यहां विस्फोटक, गोला-बारूद, प्रणोदन प्रणाली और मिड-कैलिबर इन्फैंट्री हथियारों के लिए मोबाइल प्लेटफॉर्म जैसे उद्यम स्थापित होंगे।

कानपुर नोड में 5 कंपनियों को 210.60 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जिससे 1,758 करोड़ रुपए का निवेश और 2,200 लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां छोटे, मध्यम और बड़े साइज के गोला-बारूद, बुलेटप्रूफ जैकेट, विशेष कपड़े और छोटे हथियारों की इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

अलीगढ़ नोड में सर्वाधिक 24 कंपनियों को 64.001 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जिसमें 1,921 करोड़ रुपए का निवेश और 5,618 लोगों को रोजगार प्रस्तावित है। यह नोड ड्रोन, लोइटरिंग गोला-बारूद, काउंटर ड्रोन सिस्टम, सटीक उपकरण, मेक्ट्रोनिक्स, छोटे हथियार और रडार निर्माण का केंद्र बन रहा है।

लखनऊ नोड में 12 कंपनियों, जिनमें ब्रह्मोस एयरोस्पेस भी शामिल है, को 117.35 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। इससे 1,411 करोड़ रुपए का निवेश

# हिण्डन पुर्नरूद्धार हेतु जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में बैठक आहूत

## नालों की मैपिंग कार्य को किया जाएं ऑनलाइन : जिलाधिकारी

**लोक प्रेरणा**

**गाजियाबाद।** दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन, गाजियाबाद में जिलाधिकारी महोदय गाजियाबाद दीपक मीणा की अध्यक्षता में हिण्डन पुर्नरूद्धार हेतु बैठक आहूत की गयी। बैठक को प्रारम्भ करते हुये सर्वप्रथम मुख्य विकास अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा बैठक में प्रतिभाग करने वाले सभी विभागों को पी०पी०टी० के माध्यम से हिण्डन पुर्नद्धार हेतु उनके कार्य एवं दायित्वों को बताया गया।

तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा जलकल विभाग (शहरी) द्वारा बनाये गये एस०टी०पी० एवं नालों के नक्शों को देखते हुये विभागों को निर्देशित किया गया कि नालों की मैपिंग को ऑनलाइन बनाना शुरू करें ताकि उनकी लेयरिंग करते समय प्रत्त्येक डाटा एक जगह पर एकत्रित हो सके इसके लिए एक बेसिक नेटवर्क तैयार किया जाये जिसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, गाजियाबाद, नगर निगम, गाजियाबाद, सिंचाई विभाग, जी०डी०ए०, समस्त नगर निकाय, अपने डेटा के लेयरिंग को तय कर सके। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देशित किया गया 10 दिनों के अन्दर औद्योगिक इकाइयों के ई०टी०पी० की समस्त जानकारी उपलब्ध करायी जाना सुनिश्चित करें। हिण्डन बेसिन में अतिक्रमण को लेकर सम्बन्धित उप जिलाधिकारी व तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि हिण्डन के ऊपर अतिक्रमण की सूची तैयार की जाये और उसे प्रत्येक तीन माह में अपडेट किया जाये। साथ ही किस जगह कितनी नदी दर्ज है उसकी एक सूची एवं नक्शा सिंचाई विभाग के साथ मिलकर तैयार करे। साथ ही उप जिलाधिकारी, सदर, उप जिलाधिकारी, मोदीनगर को निर्देशित किया गया कि 10 दिनों के अन्दर हिण्डन नदी के बेसिन में जिन जगह पर अतिक्रमण है एवं जिन पर अतिक्रमण नही है ऐसे क्षेत्रों को चिन्हिंत करे ताकि विभागों एवं पर्यावरण विदों की टीम द्वारा उस पर सर्वे कर उन पर वृक्षारोपण किया जा सके।

सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि हिण्डन में तैर रहे जलकुम्भी एवं अन्य अपशिष्ट को निकालने हेतु कोई प्लान तैयार करे। मुख्य अभियन्ता नगर निगम द्वारा जिलाधिकारी, महोदय के समक्ष छठ घाट पर रिवर फ्रंट डवलपमेन्ट हेतु प्रस्ताव रखा गया जिसे महोदय द्वारा सिंचाई विभाग व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मानको के अनुरूप रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया, ताकि अग्रिम कार्यवाही हो सके।

खण्ड विकास अधिकारी, मुरादनगर, लोनी एवं रजापुर को निर्देशित किया गया कि हिण्डन के किनारे स्थित ग्रामों में नालों को चिन्हित करे एवं सुनिश्चित करे कि किसी तरीके का अपशिष्ट हिण्डन नदी मे न जाये। जल संरक्षण को लेकर महोदय द्वारा कहां गया कि स्कूलों में भी जल संरक्षण हेतु कार्यकम कराना सुनिश्चित किया जाये। बैठक में मुख्य रूप से अरूण यादव अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता जीडीए, मुख्य अभियन्ता नगर निगम, यूपीसीडा, आवास विकास, सिंचाई विभाग, विकास विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी व एजीओ के गणमान्य उपस्थित रहे।

## सीमा पर तनाव के बीच उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट, वाराणसी में प्रमुख स्थलों पर बढ़ाई गई सुरक्षा

**वाराणसी,।** भारत-पाकिस्तान के बीच बनी तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। बाबा विश्वनाथ की नगरी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। रात भर पुलिस गश्ती दल शहर में फेरे लगा रही है।

उत्तर प्रदेश में सीमा पर तनाव और गोलाबारी के कारण रेड अलर्ट जारी किया गया है। वाराणसी कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारी और कर्मचारी पूरी तरह से मुस्तैद हैं, और काशी विश्वनाथ मंदिर, गोदौलिया, कैंट रेलवे स्टेशन, रोडवेज, सिटी स्टेशन, और गोलगड्डा सहित पूरे क्षेत्र में पेट्रोलिंग की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में ऑपरेशन सिंदूर के बाद हाई अलर्ट घोषित किया गया था। राज्य के कई जिलों में मॉक ड्रिल भी हुई थी, जिसमें एयर रेड सायरन, ब्लैकआउट, आपातकालीन प्रतिक्रिया की तैयारियों का परीक्षण किया गया था। इस अभ्यास का उद्देश्य सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता और समन्वय का मूल्यांकन था।

## संक्षिप्त खबरें

### मारपीट के आरोपी की थाने में पिटाई, युवती समेत कई पर दर्ज हुआ मुकदमा

**लोक प्रेरणा**

**लोनी।** बॉर्डर थानाक्षेत्र के रेल विहार कॉलोनी में कुत्ता पीटने और कॉलोनी की रहने वाली नेहा की स्कूटी में आग लगाने के आरोपी से पुलिस थाने में युवती और उसके साथियों ने मारपीट की। पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में नेहा समेत अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि नेहा ने तहरीर देते हुए आरोप लगाया था कि अरुण नाम के युवक ने उनके कुत्ते को पहले पीटा और उसका विरोध करने पर उनके भाई से भी मारपीट की। इसके बाद आरोपी ने उनकी स्कूटी में भी आग लगा दी। बताया कि शिकायत मिलने के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस आरोपी अरुण को थाने ले आई थी। आरोप है कि कुछ देर बाद युवती अपने साथियों के साथ थाने पहुंची और सभी ने मिलकर आरोपी युवक से मारपीट की। यहां तक कि नेहा, उसके भाई कपिल, पड़ोसी मोहित, सुनील व एक अन्य महिला ने महिला दरोगा प्रीति से गाली गलौज व धक्का-मुक्की की। एसीपी अजय कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

### प्रमुख शिक्षाविद व समाजसेवी अशोक त्यागी गढ़मुक्तेश्वर स्थित आदर्श कन्या इंटर कॉलेज के संरक्षक बने

**लोक प्रेरणा**

**गाजियाबाद ।** प्रमुख शिक्षाविद व समाजसेवी वसुंधरा निवासी अशोक त्यागी को गढ़मुक्तेश्वर स्थित आदर्श कन्या इंटर कॉलेज का संरक्षक बनाया गया है। उनके संरक्षक बनने के बाद से उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है। विद्यालय की प्रबंधक शकुंतला त्यागी ने बताया कि अशोक त्यागी को गुरूवार को अशोक त्यागी को विद्यालय का संरक्षक बनाया गया। उनके संरक्षक बनने से विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को और अधिक सुविधाएं प्राप्त होंगी जिससे वे शिक्षा ही नहीं खेल आदि में भी अपने विद्यालय, जनपद व प्रदेश का नाम रोशन कर सकेंगी। विद्यालय की प्रबंघ समिति द्वारा अशोक त्यागी को स्म्मानित भी किया गया। अशोक त्यागी ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करना बहुत ही पुण्य का कार्य है। विद्यालय में बडी संख्या में गरीब मजदूर तबके की छात्राएं भी अध्ययनरत हैं। उनकी मदद व उन्हें आगे बढाने के लिए वे और समिति के सभी पदाधिकारी हमेशा तैयार रहेंगे। छात्राओं की शिक्षा में आर्थिक या किसी भी प्रकार की कोई अन्य बाधा ना आए और उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, इसके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेश त्यागी, प्रधानाचार्य डॉ राजुल सिंह, शिक्षिका इरा चौधरी, शिखा तिवारी, निशा पांडे, पूजा राय, सरिता आदि भी मौजूद रहे।

### पाकिस्तान अब अपने वजूद के लिए संघर्ष करता दिखाई देगा : योगी

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह जैसे वीर योद्धाओं को नमन किया। साथ ही पाकिस्तान को आतंकवाद पर घेरते हुए कहा कि उसने इतनी बड़ी हिमाकत कर दी है कि अब वह अपने वजूद के लिए संघर्ष करता दिखाई देगा। पाकिस्तान का आतंकवादी चेहरा अब दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है।

उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा भारतीय पर्यटकों के साथ की गई बर्बरता का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना के बाद हर भारतवासी ने पाकिस्तान को सबक सिखाने की ठान ली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। आज पाकिस्तान दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और कराहता हुआ नजर आ रहा है।

सीएम योगी ने पाकिस्तान के बेशर्मी पूर्ण रवैये पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भारत की कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की मौजूदगी दुनिया की आंखें खोलने वाली है। यह साबित करता है कि पाकिस्तान न केवल आतंकवादियों को संरक्षण देता है, बल्कि सीधे तौर पर आतंकवाद में शामिल भी है। अब पाकिस्तान अपने वजूद के लिए जूझ रहा है।

### महाराणा प्रताप की सबसे अच्छी प्रतिमा रिवर फ्रंट पर लगेगी : अखिलेश यादव

**लखनऊ ।** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि देश में महाराणा प्रताप की सबसे अच्छी प्रतिमा अगर कहीं लगेगी, तो वह लखनऊ में रिवर फ्रंट पर लगेगी और इसे लगाने का काम समाजवादी लोग मिलकर करेंगे।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को महाराणा प्रताप की जयंती के मौके पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गोमती रिवर फ्रंट पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप किसी एक जाति के नहीं हैं, बल्कि सभी के हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के एजेंडे में कारोबार नहीं है, इसलिए सैकड़ों वर्षों से लग रहे मेलों का विरोध कर रही है। राजनीति में महापुरुषों को नहीं लाना चाहिए और उनसे राजनीतिक लाभ नहीं उठाना चाहिए। सभी महापुरुष हमारे-आपके हैं।

## शुकरी कॉनराड दक्षिण अफ्रीका पुरुष क्रिकेट टीम का ऑल-फॉर्मेट कोच नियुक्त

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीकी पुरुष क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कॉनराड को अब क्रिकेट के तीनों प्रारूप के लिए टीम का कोच नियुक्त कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को प्रोटियाज पुरुष टीम के सभी प्रारूपों में मुख्य कोच के रूप में शुकरी कॉनराड की नियुक्ति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। बोर्ड ने आगे कहा कि जनवरी 2023 से टेस्ट टीम की अगुआई कर रहे कॉनराड अब जुलाई में जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला से शुरू होने वाले सफेद गेंद के प्रारूपों की कमान संभालेंगे। 58 वर्षीय कॉनराड आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 तक सभी प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम की देखरेख करेंगे, जिसकी मेजबानी घरेलू धरती पर की जाएगी।कॉनराड रॉब वाल्टर की जगह लेंगे, जिनका व्हाइट-बॉल की भूमिका से इस्तीफा अप्रैल के अंत में प्रभावी हो गया। कॉनराड 2027 आईसीसी वनडे विश्व कप तक प्रभारी रहेंगे, जो दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

## भारत ने श्रीलंका को 8-0 से हराया

**यूपिया (अरुणाचल प्रदेश)।** भारत ने यहां गोल्डन जुबली स्टेडियम में ग्रुप बी के अपने पहले मैच में श्रीलंका को 8-0 से हराकर सैफ अंडर19 चैम्पियनशिप खिताब की रक्षा की शानदार शुरुआत की। डैनी मेइतेई लैशराम (26', 31', 50') ने टूर्नामेंट में पहली बार शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि प्रशान जाजो (17', 62') ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। शुक्रवार रात को एमडी अर्बाश (40'), ओमंग डोडम (48') और कप्तान सिंगमयुम शामी (81') ने एक-एक गोल किया। अरुणाचल प्रदेश में पहली बार आयोजित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट में मेजबान टीम ने पहली सीटी बजने के साथ ही अपने इरादे दिखा दिए। शानदार पासिंग और लगातार दबाव के साथ भारत ने मैदान पर अपना जलवा दिखाया और श्रीलंका को पीछे छोड़ दिया। भारत के मिडफील्ड ने तेज पास के साथ गति को नियंत्रित किया, जबकि उनके फॉरवर्ड ने श्रीलंका की अव्यवस्थित बैकलाइन को तहस-नहस कर दिया। अर्बाश और रोहन सिंह मेहमान टीम के लिए विशेष रूप से खतरनाक साबित हुए 17वें मिनट प्रशान जाजो ने शानदार फील्ड गोल किया। इसके ठीक नौ मिनट बाद, श्रीलंका के एक गलत बैकपास ने ओमंग डोडम को आगे बढ़ने का मौका दिया और डैनी ने सही समय पर हेडर से गोल करने में कोई गलती नहीं की। भारत ने 31वें मिनट में 3-0 की बढ़त बनाई जब डैनी ने फिर से गोल किया।

## लाजोविच को हराकर अल्काराज ने इटालियन ओपन के अगले दौर में

**रोम।** स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने चोट से वापसी करते हुए सर्बिया डुसन लाजोविच को हराकर इटालियन ओपन के अगले दौर में जगह बना ली है। आज यहां क्ले कोर्ट पर खेले गये मुकाबले में अल्काराज ने सर्बिया के

लाजोविच को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराया। अल्काराज का अगले दौर में अमेरिका के 31वें वरीयता प्राप्त एलेक्स मिशेलसन या सर्बिया के लास्लो जेरे से मुकाबला होगा। उल्लेखनीय है कि अल्काराज ने चोट के कारण पिछले महीने मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। इससे पहले उन्हें बार्सिलोना ओपन के फाइनल के दौरान पैर में चोट लग गई थी। मैच के बाद अल्काराज ने कहा कि शरीर बहुत अच्छा महसूस कर रहा है। मैंने आज बिना किसी दर्द के खेला। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने टेस्ट पास कर लिया है। कोर्ट पर अधिक सहज महसूस कर रहा हूं।

## आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ताइपे ओपन के सेमीफाइनल में

**नयी दिल्ली।** भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मैचों में जीत दर्ज कर ताइपे ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वर्तमान में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 44वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने एक घंटा 11 मिनट तक चले पुरुष मुकाबले में कनाडा के वर्ल्ड नंबर 31 ब्रायन यांग को 16-21, 21-19, 21-14 से हराया। 20 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने पहले गेम में शुरुआत में 5-2 से बढ़त बनाई। लेकिन कनाडाई खिलाड़ी ने आयुष को कड़ी टक्कर दी और पहला गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों ने मैच में अपनी पकड़ बनाने का प्रयास किया। ब्रायन ने शुरुआत में बढ़त बनाई। लेकिन आयुष ने स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद आयुष ने मैच में वापसी करते हुए जीत दर्ज की। निर्णायक गेम में भी आयुष ने बढ़त बरकरार रखी और ब्रायन पर 21-14 से जीत कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं, महिला एकल के क्वार्टरफाइनल मैच में उन्नति हुड्डा ने 52 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग पर 21-8, 19-21, 21-19 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। उन्नति ने शुरुआत से ही मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए पहले गेम में 21-8 से जीता।

## तीरंदाजी विश्व कप चरण 2-भारत ने टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता

**एजेंसी**

**शंघाई।** भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण 2 की टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता। पदक दौड़ का मुख्य आकर्षण अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव की पुरुष टीम द्वारा जीता गया स्वर्ण था, जिन्होंने एक तनावपूर्ण फाइनल में मैक्सिको को 232-228 से हराया। भारत ने पहले सेट में लगभग दोषरहित 59 अंकों के साथ 2 अंकों की बढ़त लेते हुए जोरदार शुरुआत की, जबकि मैक्सिको ने 57 अंक बनाए। दूसरे सेट में मैक्सिको ने 58 अंकों के साथ वापसी की, जबकि भारत ने 56 अंकों के साथ मैच को आधे चरण में 115-115 से बराबर कर दिया। तीसरे सेट में, भारत ने 58 अंकों के साथ फिर से बढ़त हासिल की, जबकि मैक्सिको ने 57 अंक बनाए, जिससे भारतीयों को 173-172 की मामूली बढ़त मिली।

भारतीय तिकड़ी ने अंतिम समय में अपना धैर्य बनाए रखा और शानदार 59 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि मैक्सिको केवल 56 अंक ही बना सका। महिलाओं के कंपाउंड फाइनल में ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धामनगांवकर और चिकिथा तानिपार्थी की टीम को मजबूत मैक्सिकन टीम से 221-234 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह एकतरफा मुकाबला था, लेकिन भारतीय महिलाओं ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दमखम दिखाया और पोडियम पर जगह बनाई। पदक तालिका में वर्मा और मधुरा की भारतीय मिश्रित टीम ने तीसरे स्थान के प्लेऑफ में मलेशिया को हराकर कांस्य पदक जीता। 24 वर्षीय मधुरा, जिन्होंने पहले कभी विश्व कप पदक नहीं जीता था, तीन साल बाद वापसी करते हुए प्रतियोगिता में अपनी दूसरी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उनकी आखिरी उपस्थिति मेडेलिन में 2022 तीरंदाजी विश्व कप चरण 4 में थी। ये परिणाम विश्व मंच पर कंपाउंड तीरंदाजी में भारत की बढ़ती गहराई और निरंतरता को रेखांकित करते हैं। लॉस एंजिल्स 2028 में मिश्रित टीम श्रेणी में एकमात्र इवेंट की विशेषता वाले कंपाउंड तीरंदाजी के साथ ओलंपिक में पदार्पण करने के लिए तैयार, भारत इस मेगा स्पोर्टिंग शो में तीरंदाजी में अपना पहला पदक जीतने की कोशिश करेगा।

## नोवाक जोकोविच जेनेवा ओपन में खेलेंगे, रोलां गैरां से पहले पहली क्ले खिताबी जीत का है लक्ष्य

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** नोवाक जोकोविच इस सीजन पहली क्ले कोर्ट जीत की तलाश में जेनेवा ओपन में उतरेंगे। टूर्नामेंट आयोजकों ने पुष्टि की कि सर्बियाई स्टार 17 से 24 मई तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। यह फ्रेंच ओपन से पहले खिलाड़ियों के लिए अंतिम वार्मअप टूर्नामेंट है।

**क्ले कोर्ट पर अब तक जीत नहीं**

छठे वरीयता प्राप्त जोकोविच इस साल यूरोपीय क्ले कोर्ट सीजन में अब तक जीत नहीं दर्ज कर सके हैं। वे मोंटे कार्लो और मैड्रिड ओपन में जल्दी बाहर हो गए थे। उनका रिकॉर्ड अब तक 0-2 का है। इस बार वे अपने करियर का 100वां खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे।

**जेनेवा की चुनौती और जन्मदिन की उम्मीद**

जेनेवा ओपन में जोकोविच को नंबर 4 टेलर फ्रिट्ज़ और गत चैंपियन कैस्पर रूड जैसे खिलाड़ियों की चुनौती मिलेगी। रूड ने पिछले चार में से तीन संस्करणों में खिताब जीते हैं। दिलचस्प बात यह है कि जोकोविच अपना 38वां जन्मदिन

(22 मई) एक बार फिर जेनेवा में मना सकते हैं।

**पिछले साल से मिली सीख**

पिछले साल जोकोविच सेमीफाइनल में टॉमस मचाक से हार गए थे और फिर रोलां गैरां में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। हालांकि, उन्होंने कैस्पर रूड के खिलाफ मैच से पहले घुटने की चोट के कारण नाम वापस ले लिया था और उसी के चलते नंबर 1 रैंकिंग भी गंवा दी थी।

## 2031 संस्करण से 48 टीमों के साथ होगा महिला फीफा विश्व कप, फीफा ने दी मंजूरी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** महिला फुटबॉल को वैश्विक स्तर पर और बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए फीफा ने शुक्रवार को घोषणा की कि 2031 से महिला विश्व कप में अब 32 के बजाय 48 टीमें हिस्सा लेंगी। फीफा परिषद ने वर्चुअल बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। फीफा के अनुसार, 48 टीमों के इस नए फॉर्मेट में 12 ग्रुप बनाए जाएंगे और कुल मैचों की संख्या बढ़कर 104 हो जाएगी, जो पुरुष विश्व कप 2026 के समान है।

टूर्नामेंट की अवधि भी एक सप्ताह तक बढ़ा दी जाएगी। फिलहाल 2027 महिला विश्व कप ब्राजील में आयोजित होगा, जिसमें 32 टीमें भाग लेंगी। 2023 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हुए विश्व कप में पहली बार 32 टीमों ने हिस्सा लिया था।

**फीफा अध्यक्ष ने कहा- यह महिला फुटबॉल के समग्र विकास का कदम**

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने कहा, यह सिर्फ 16 अतिरिक्त टीमों को जोड़ने की बात नहीं है, बल्कि महिला फुटबॉल के समग्र विकास की दिशा में अगला कदम है। इससे अधिक फीफा सदस्य देशों को महिला फुटबॉल के ढांचे को

विकसित करने का अवसर मिलेगा।

**अमेरिका बन सकता है 2031 विश्व कप का मेजबान**

बताया जा रहा है कि अमेरिका 2031 महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए एकमात्र बोलीदाता है। अगर इसकी पुष्टि होती है तो यह तीसरी बार होगा जब अमेरिका इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इससे पहले वह 1999 और 2003 में यह कर चुका है। वहीं, 2035 विश्व कप की मेज़बानी के लिए अकेले यूनाइटेड किंगडम ने बोली लगाई है। हालांकि दोनों टूर्नामेंट की मेजबानी पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है।

**एकतरफा मैचों की आशंका पर भी दी सफाई :** 48 टीमों के शामिल होने से संभावित एकतरफा मैचों की आशंका को लेकर भी इन्फैन्टिनो ने सफाई दी। उन्होंने कहा, 2023 विश्व कप ने दिखाया कि सभी कॉन्फेडरेशन की टीमें अब प्रतिस्पर्धी बन चुकी हैं। पहली बार सभी कॉन्फेडरेशन की टीमों ने कम से कम एक मैच जीता और पांच कॉन्फेडरेशन की टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचीं।

## मो. अफजल ने तोड़ा पुरुषों के 800 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड, दुबई में रचा इतिहास

**एजेंसी**

**दुबई।** एशियाड सिल्वर मेडलिस्ट मोहम्मद अफजल ने दुबई में आयोजित यूएई एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों के 800 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना डाला। अफजल ने 1 मिनट 45.61 सेकंड में रेस पूरी कर 2018 में जिन्सन जॉनसन द्वारा बनाए गए 1:45.65 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

**केन्याई धावक ने मारी बाजी, अफजल रहे दूसरे**

29 वर्षीय अफजल ने यह कारनामा वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के ब्रॉन्ज लेवल मुकाबले में किया, जो दुबई पुलिस स्टेडियम में आयोजित हुआ था। हालांकि वे रेस में केन्या के निकोलस किप्लागट से पीछे रह गए, जिन्होंने 1:45.38 सेकंड में रेस जीत ली।

**वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन समय नहीं छू सके:** हालांकि अफजल ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड तो बनाया, लेकिन वह 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन टाइम 1:44.50 सेकंड को पार नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने 2023 हांगझो एशियन गेम्स में 800 मीटर में सिल्वर मेडल जीता था, जहां

उनका समय 1:48.43 सेकंड था।

**200 मीटर में अनिमेष कुजुर का जलवा**

दूसरी ओर, राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अनिमेष कुजुर ने 200 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 20.45 सेकंड में जीत दर्ज की। कुजुर इससे पहले 2025 फेडरेशन कप में 20.40 सेकंड का समय लेकर अमलान बोर्गोहेन का तीन साल पुराना रिकॉर्ड (20.52 सेकंड) तोड़ चुके हैं। बोर्गोहेन रहे पांचवें स्थान पर इस प्रतियोगिता में बोर्गोहेन 21.08 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रहे।

## रोहित शर्मा, बुमराह और सूर्यकुमार यादव ने भारतीय सेना को किया सलाम

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच भारतीय क्रिकेटर्स रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव ने भारतीय सेना की बहादुरी और समर्पण को सलाम किया है। तीनों खिलाड़ियों ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जवानों के साहस और देश की रक्षा में उनकी भूमिका की सराहना की। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर लिखा, हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी और साहस के लिए आभार। हम उन्हें सलाम करते हैं और हमेशा उनके ऋणी रहेंगे, जो हमें सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। वहीं, स्टार बल्लेबाज़ सूर्यकुमार

यादव ने लिखा,हमारी सेनाओं पर बेहद गर्व है और उनके साहस व संयम को सलाम। आप ही हैं जिनकी वजह से हम अपने घरों में सुरक्षित हैं। सीमाओं पर आपकी शक्ति और समर्पण को नमन। जय हिंद! इस बाबत भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना को सलाम करते हुए भावुक पोस्ट किया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किए जाने के बाद रोहित ने सुरक्षा बलों की वीरता की सराहना की। रोहित ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा , हर एक क्षण के साथ, हर एक निर्णय के साथ, मुझे हमारी भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना पर अत्यधिक गर्व महसूस होता है। हमारे वीर योद्धा देश की शान के लिए मजबूती से खड़े हैं। हर भारतीय की जिम्मेदारी है कि वह किसी भी फेक न्यूज को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचें। सभी सुरक्षित रहें!जय हिन्द। रोहित के इस संदेश ने देशवासियों को सुरक्षाबलों पर गर्व करने के साथ-साथ सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने का भी संदेश दिया है।

## नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** 24 मई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में प्रस्तावित नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 को मौजूदा भारत-पाकिस्तान तनाव के मद्देनजर अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने यह घोषणा की।

**खिलाड़ियों और समुदाय की सुरक्षा सर्वोपरि**

आयोजन समिति ने बताया कि यह निर्णय विचार-विमर्श और सभी पक्षों से बातचीत के बाद लिया गया है। खिलाड़ियों, साझेदारों और व्यापक समुदाय की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

**'राष्ट्र सर्वोपरि, खेलों की एकता की शक्ति पर विश्वास'**

नीरज चोपड़ा क्लासिक की आयोजन समिति ने अपने बयान में कहा, हम खेल की एकता की शक्ति में विश्वास रखते हैं, लेकिन इस नाजुक समय में राष्ट्र के साथ खड़े रहना ज्यादा जरूरी है। हमारी पूरी श्रद्धा और भावनाएं इस समय हमारे सशस्त्र बलों के साथ हैं, जो देश की रक्षा में अग्रिम पंक्ति में डटे हुए हैं।

**नई तारीख जल्द होगी घोषित:** यह प्रतियोगिता वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल मीट का

हिस्सा है। आयोजन समिति ने बताया कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की नई तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी।

## पंजाब और दिल्ली के खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच जालंधर से ट्रेन से किया रवाना

**एजेंसी**

**धर्मशाला।** 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बने युद्ध के हालातों के चलते धर्मशाला में वीरवार बीती रात पंजाब और दिल्ली के बीच आईपीएल मैच को एकाएक बीच में रोक कर रद्द करने के बाद दोनों टीमों सहित अन्य स्टाफ सदस्यों को जालंधर से ट्रेन के माध्यम से दिल्ली के लिए रवाना किया। सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा कर्मियों के कड़े पहरे में गाड़ियों के माध्यम से दोनों टीम के खिलाड़ियों को कांगड़ा पुलिस ने पंजाब की सीमा होशियारपुर तक छोड़ा। उसके बाद पंजाब पुलिस ने सुरक्षा का जिम्मा उठाते हुए इन्हें जालंधर रेलवे स्टेशन तक पंहुचाया। गौर हो कि युद्ध के हालात के चलते कांगड़ा का गगल एयरपोर्ट भी बंद कर सेना के हवाले कर दिया गया है। एएसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि

सभी टीम के खिलाड़ियों सहित अन्य स्टाफ और ब्रॉडकास्ट सदस्यों को धर्मशाला से करीब 40 से 50 छोटे वाहनों के जरिये पंजाब की सीमा होशियारपुर तक कड़ी सुरक्षा के बीच छोड़ा गया। वहां से आगे पंजाब पुलिस ने उन्हें जालन्धर रेलवे स्टेशन पंहुचाया। जालंधर से विशेष ट्रेन के माध्यम से उन्हें दिल्ली के लिए रवाना किया गया। गौरतलब है कि भारत पाकिस्तान के बीच बीती रात हुए ड्रोन व मिसाइल हमलों के चलते धर्मशाला में पंजाब और दिल्ली के बीच खेले गए मैच को बीच मे ही रोकना पड़ा था। अचानक मैच रुकने के बाद पुलिस कर्मियों ने महज 20 मिनट में ही स्टेडियम को खाली करवा दिया और सभी दर्शकों को जल्द स्टेडियम से बाहर जाने को कहा। वहीं इससे पूर्व धर्मशाला में रात नौ बजकर 28 मिनट पर पंजाब किंग्स-दिल्ली कैपिटल्स के बीच चल रहे मैच के दौरान ब्लैकआऊट कर दिया गया और मैदान में लगी फ्लड लाइट्स को एक के बाद एक को बंद करवा दिया गया। मैदान से सबसे पहले पंजाब व दिल्ली के खिलाड़ियों को शांतिपूर्वक बाहर निकालकर होटलों में सुरक्षित भेजने के लिए रवाना किया गया था। इसके साथ ही पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की ओर से दर्शकों को धीरे-धीरे सभी स्टैंड से शांतिपूर्वक तरीके से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी।

## रेखा गुप्ता ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारियों पर की चर्चा

**नयी दिल्ली।** भारतीय पैरालंपिक समिति के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात कर आगामी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की तैयारियों को लेकर चर्चा की। आज यहां दिल्ली सचिवालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष, तमिलनाडु में कोयंबटूर की विधायक और भारतीय पैरालंपिक समिति की मुख्य संरक्षक वनथी श्रीनिवासन के साथ भारतीय पैरालंपिक समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सितंबर-अक्टूबर 2025 में नई दिल्ली में आयोजित होने वाली आगामी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारियों और रणनीतिक योजना पर चर्चा की।

## एशिया पेसिफिक स्प्रिंट कप 2025: मप्र के खिलाड़ी प्रिंस गोस्वामी ने जीता स्वर्ण पदक

**एजेंसी**

**भोपाल।** जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता एशिया पेसिफिक स्प्रिंट कप 2025 में मध्य राज्य खेल अकादमी के कयाकिंग केनोइंग खिलाड़ी प्रिंस गोस्वामी में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रिंस के खेल प्रदर्शन की सराहना कर उन्हें इस गौरवान्वित उपलब्धि की बधाई दी है। दरअसल, जापान स्थित कीबा लेक कोमस्तु इशिकावा में एशिया पेसिफिक स्प्रिंट कप 2025 का आयोजन 9 से 11 मई तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता की शुरुआत हुई, जिसमें मप्र क्याकिंग केनोइंग अकादमी के खिलाड़ी प्रिंस गोस्वामी ने सी-1 की 1000 मीटर पुरुष स्पर्धा में 04:30.198 मिनट का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में इस

स्पर्धा में जापान के कोटारो सवाटा ने 04:32.378 का समय लेकर रजत और कांस्य पदक जापान के ही खिलाड़ी फुमिया अंडो ने 04:33.818 का समय लेकर हासिल किया।

## हार्दिक, मनप्रीत और हरमनप्रीत ने मेरी काफी मदद की: मिडफील्डर राजिंदर सिंह

**एजेंसी**

**बेंगलुरु।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम के युवा मिडफील्डर राजिंदर सिंह ने अक्टूबर 2024 में जर्मनी के खिलाफ दो मैचों की सीरीज़ से सीनियर टीम में कदम रखा था। अब आठ महीने बाद, वह टीम के मुख्य खिलाड़ियों में से एक बन चुके हैं। वर्तमान में वह बेंगलुरु स्थित साई केंद्र में चल रहे सीनियर नेशनल कैंप में आगामी एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 के यूरोप चरण की तैयारियों में जुटे हुए हैं। कैंप की तैयारी पर बात करते हुए राजिंदर ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, तैयारियां काफी अच्छी चल रही हैं। कुछ खिलाड़ी फिटनेस पर ज्यादा काम कर रहे हैं, तो कुछ स्टिक और बॉल स्किल्स पर। इस बार दोनों पर समान फोकस है। इससे पहले जो कैंप हुआ था, उसमें पूरी तरह फिटनेस पर ध्यान दिया गया था। भारत ने एफआईएच प्रो लीग 2024/25 के घरेलू चरण में भुवनेश्वर में आठ मुकाबलों में से पांच जीते और 15 अंक अर्जित किए। टीम फिलहाल अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। स्पेन, जर्मनी और इंग्लैंड से हार झेलने के बाद भारतीय टीम ने इन सभी टीमों को रिवर्स फिक्स्चर में हराया। राजिंदर ने प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा, भुवनेश्वर में हमारे कुछ मैचों में

उतार-चढ़ाव जरूर रहे, लेकिन उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। हम अभी भी उन मैचों के वीडियो सेशन कर रहे हैं ताकि यूरोप लेग की तैयारियों में कोई कमी न रह जाए। उन्होंने आगे कहा, उस चरण में हमने देखा कि हम सर्कल में एंट्री तो कर रहे थे, लेकिन गोल नहीं कर पा रहे थे। इस समय हम सर्कल के अंदर के खेल पर खासा ध्यान दे रहे हैं ताकि फील्ड गोल को ज्यादा से ज्यादा बदला जा सके और पेनल्टी कॉर्नर पर निर्भरता कम हो। 22 वर्षीय राजिंदर हरियाणा से हैं और जूनियर टीम के लिए सुल्तान जोहोर कप 2022 और जूनियर एशिया कप 2023 जैसे टूर्नामेंट जीत चुके हैं। सीनियर खिलाड़ियों के साथ खेलने के अनुभव पर उन्होंने कहा, ÷सीनियर खिलाड़ियों से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। वे जब भी हमसे कोई गलती होती है, तो हमें समझाते हैं कि कैसे संयम में रहकर खेलना है। राजिंदर ने खासतौर पर हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और कप्तान हरमनप्रीत सिंह का आभार जताते हुए कहा, ÷हार्दिक पाजी और मनप्रीत पाजी मिडफील्ड में मेरे साथ खेलते हैं, तो मुझे बहुत गाइड करते हैं। हरमन पाजी पीछे से आवाज लगाकर मेरी पोजिशनिंग सुधारते हैं। हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024/25 में राजिंदर ने हैदराबाद तूफान्स की ओर से खेलते हुए टीम को उपविजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने प्रो लीग के पहले चरण में भारत के आठ में से सात मैचों में हिस्सा लिया। अब जून में होने वाले यूरोपीय चरण में भारत को नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। राजिंदर ने कहा,जिन टीमों से हम खेलने जा रहे हैं, वे बेहद आक्रामक और शारीरिक खेल खेलने वाली हैं। मेरा व्यक्तिगत लक्ष्य है कि मैं अपने डिफेंस पर ध्यान दूं और कोई खिलाड़ी मुझसे डॉज न कर सके या मेरी लाइन को न तोड़ सके।

# योजनाओं में तेजी लाने को लेकर जिलाधिकारी की सख्ती

## विकास कार्यों में लाएं रफ्तार, पीएम सूर्य घर योजना में लक्ष्य हासिल करने के निर्देश

**लोक प्रेरणा**
**उरई, जालौन।** प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की धीमी प्रगति को देखते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग योजना के लक्ष्य को मई माह में ही पूरा करने के लिए पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से काम करें। बैठक में बताया गया कि जनपद में 12,000 घरों में सोलर पावर प्लांट लगाए जाने का लक्ष्य है, लेकिन अब तक सिर्फ 663 घरों में ही नेट मीटरिंग का कार्य पूरा हो पाया है। इस पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने सीडीओ, डीपीआरओ, प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), समस्त उपजिलाधिकारी एवं पीओ नेडा को निर्देश दिए कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर ग्राम प्रधानों, नगर

पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों के साथ बैठक करें और योजना को गति दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत से 20 और हर नगरीय वार्ड से 10 लाभार्थियों की पहचान कर मई माह में ही सभी लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को गांवों में जाकर ग्राम प्रधानों व जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाने और पात्र लाभार्थियों को चिह्नित कर उन्हें योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना न केवल सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में अहम पहल है, बल्कि इससे आमजन के बिजली खर्च में भी भारी कमी आएगी। इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, उपायुक्त उद्योग प्रभात यादव, पीओ नेडा राकेश पाण्डेय समेत सभी संबंधित अधिकारी एवं बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# जनपद में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की साप्ताहिक समीक्षा

## युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अभियान तेज करने के निर्देश

**लोक प्रेरणा**
**उरई, जालौन। 09 मई।** मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि जनपद के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी संबंधित विभाग योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें। बैठक में उपायुक्त उद्योग प्रभात यादव ने अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद को 1700 आवेदनों का वार्षिक लक्ष्य मिला है। अप्रैल माह तक कुल 521

आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो वार्षिक लक्ष्य का 31 प्रतिशत और मासिक लक्ष्य का 100 प्रतिशत है। इनमें से 131 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत कर वितरित भी कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवेदन प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए। उन्होंने बैंक स्तर पर नामित वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निरस्त किए गए आवेदनों की पुनः समीक्षा करें तथा लाभार्थियों से समन्वय कर उनकी मार्जिन मनी एवं कोटेशन समय पर जमा कराना सुनिश्चित कराएं। मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास को निर्देश दिए गए कि वे प्रतिदिन योजना की प्रगति की समीक्षा कर कार्य में तेजी लाएं। लीड बैंक मैनेजर को सीडीओ एवं उपायुक्त उद्योग के साथ समन्वय स्थापित कर स्वीकृति एवं वितरण प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया।जिलाधिकारी ने बैंक प्रतिनिधियों से अपील की कि स्वीकृत लाभार्थियों को शीघ्र ऋण वितरित किया जाए, जिससे युवा समय पर अपना व्यवसाय प्रारंभ कर सकें। साथ ही उन्होंने ह्याजीरो पावर्टीह्न वाले ग्रामों में विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक युवाओं को योजना से जोड़ने के निर्देश भी दिए।
इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, उपायुक्त उद्योग प्रभात यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## उरई को मिलेगा ट्रैफिक जाम से छुटकारा

**उरई,जालौन।** उरई शहर की वर्षों पुरानी ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान अब जल्द ही जमीन पर उतरने वाला है। नगर के मुख्य बाजार क्षेत्र में स्थित गहोई धर्मशाला के सामने नगर पालिका परिषद की खाली पड़ी भूमि पर अत्याधुनिक भूमिगत मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण प्रस्तावित है। इस योजना का निरीक्षण शुक्रवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने किया और निर्माण से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। डीएम राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि यह परियोजना शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ शहरी सौंदर्य को भी नया आयाम देगी।

## गृह कलह से परेशान युवक ने खाया विषाक्त पदार्थ, हालत गंभीर

**लोक प्रेरणा**
**कोंच।** विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लेने से युवक की हालत बिगड़ गई और उसको गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।
मामले के मुताबिक कोटरा निवासी 25 वर्षीय युवक रवींद्र पुत्र गोविंददास वर्तमान समय में नगर के मोहल्ला गोखले नगर में रहता है। शुक्रवार की सुबह वह घर में अकेला था और मौका पाकर उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। कुछ देर बाद परिजनों ने उसे देखा तो आनन फानन में उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल वहां उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि गृह कलह के चलते उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया।

## मजदूर को घर में बंद कर पीटा, रस्सियों से बांधकर दबंगों ने की दरिंदगी

**लोक प्रेरणा**
**कोंच।** ग्राम अटा में एक मजदूर को घर में बंद कर रस्सी से बांधकर उसे लाठी डंडे से पीटे जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित मजदूर ने पुलिस से मामले की शिकायत कर दबंगों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।
कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अटा निवासी जितेंद्र पुत्र स्व. बालकराम ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह कोंच नगर में मजदूरी कर अपने परिवार की आजीविका चलाता है। गुरुवार की देर रात वह भदेवरा गांव में एक शादी समारोह से खाना खाकर अपने घर पहुंचा तो गांव के ही तीन दबंग जबरन घर से खींचकर उसे अपने एक दूसरे दबंग साथी के घर ले गए जहां उसे बंद कर रस्सी से उसके हाथ पैर बांध दिए और फिर लाठी डंडे से उसे मारा-पीटा। बचाने पहुंची उसकी मां के साथ भी उन दबंगों ने मारपीट करने का प्रयास किया। मां द्वारा तमाम आरजू मिन्नत करने पर दबंगों ने चार घंटे बाद उसे इस शर्त पर छोड़ा की पुलिस से यदि शिकायत की तो जान से मार दूंगा। पीड़ित जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि उक्त दबंग आए दिन उससे शराब पीने के लिए रुपये मांगते रहते हैं। घटना को लेकर उसने पुलिस से कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

## सड़क हादसे में शामिल ट्रक में अचानक लगी आग, धू-धू कर जलकर हुआ राख

**लोक प्रेरणा**
**एट,जालौन।** एट थाना क्षेत्र के गिरथान गांव के पास शुक्रवार को हाईवे किनारे खड़े एक ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन जलकर पूरी तरह खाक हो गया। बताया जा रहा है कि यह वही ट्रक है, जो दो दिन पहले हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में शामिल था, जिसमें छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।
प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे के बाद ट्रक को सड़क किनारे पलटी हालत में छोड़ दिया गया था, जिसे शुक्रवार की सुबह सीधा कर एक ओर खड़ा किया गया था। दोपहर होते-होते ट्रक में अचानक आग लग गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठती देख मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी।
मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है।
इस घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं, क्योंकि जिस ट्रक से दो दिन पहले जानलेवा हादसा हुआ था, उसी का अचानक इस तरह जल जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है।

## आर्यावर्त बैंक का नाम बदलकर हुआ उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक

**लोक प्रेरणा**
**माधौगढ ,जालौन।** नगर पंचायत माधौगढ़ में संचालित आर्यावर्त बैंक समामेलित होने पर उक्त बैंक को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के नाम से जानने की जानकारी हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया। माधौगढ़ की ग्राम पचायत हैदलपुरा में प्रधान शिवराज सिंह चौहान के यहाँ बैंक मैनेजर शोभित श्रीवास्तव के संयोजन में जन गोष्ठी संपन्न हुई इस अवसर पर शाखा प्रबंधक ने बताया कि आर्यावर्त बैंक का समायोजन प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक एवं बड़ौदा यूपी बैंक, समामेलित होकर समूचे से उत्तर प्रदेश में अब उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के नाम से परिवर्तित हो गई है।
शाखा प्रबंधक शोभित श्रीवास्तव ने बताया कि अब बैंक के ग्राहकों को समूचे उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह के लेनदेन में दिक्कत नहीं होगी। यह बैंक अब 71 जिलों में संचालित होगी और जितने जिलों में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक संचालित है उतने जनपदों में हमारे ग्राहक कहीं भी लेनदेन कर सकते हैं।
इससे अब हमारे बैंक के ग्राहकों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। आज दिन शुक्रवार को हैदलपुरा गांव में जन चौपाल का आयोजन किया गया,जिसमे बैंक मैनेजर शोभित श्रीवास्तव ,कर्मचारी और हैदलपुर ग्राम प्रधान शिवराज सिंह चौहान व गांव के अन्य लोग भी मौजूद रहे।

## आरआर अकादमी पब्लिक स्कूल में हैंडराइटिंग प्रतियोगिता आयोजित

**लोक प्रेरणा**
**कोंच।** मोहल्ला जय प्रकाश नगर (बंगला) में स्थित आरआर अकादमी पब्लिक स्कूल में बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हैंड राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल के सर्वश्रेष्ठ मेधावी बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। बतौर अतिथि आलोक कपूर एवं अनूप अग्रवाल ने बच्चों को पुरस्कृत किया।
कक्षा यूकेजी में अनन्या, संगम गुप्ता, कक्षा प्रथम में माही दूरवार, शुभ अग्रवाल, मुआज, कक्षा द्वितीय में नैंसी, शिवा अग्रवाल, अक्षांश चौरसिया, कक्षा तृतीय में दीपांश तिवारी, निमय गुप्ता, कक्षा चतुर्थ में अनुभव गुप्ता, अंशिका सिंह, दिव्या यादव कक्षा पंचम में जन्नत, जुनैद, दक्ष कुठौलिया को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापक दीपिका पंकज तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में प्रतिस्पर्धी सोच विकसित करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया, पूरे साल विद्यालय में ऐसे अनेक कार्यक्रम संचालित होते रहते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं सहित अभिभावक एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

## किशोरी ने यमुना नदी में कूदकर दी जान

**लोक प्रेरणा**
**जालौन।** टिकरी गांव में पारिवारिक विवाद के चलते एक 14 वर्षीय किशोरी ने यमुना नदी में कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे पिता गिरेंद्र की पुत्री सोनी का अपनी बड़ी बहन संध्या से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी के चलते वह घर से निकल गई और दो किलोमीटर दूर यमुना नदी पर पहुंचकर उसमें छलांग लगा दी।
परिजनों के मुताबिक घटना के वक्त सोनी के पिता घर पर मौजूद नहीं थे। दोपहर तक जब वह घर नहीं लौटी, तो घरवालों को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। कुछ चरवाहों ने नदी किनारे एक लड़की को छलांग लगाते हुए देखने की जानकारी दी। मौके पर जाकर परिजनों को उसकी चप्पलें मिलीं, जिससे उनकी आशंका गहरा गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू कराई गई। करीब 24 घंटे बाद शुक्रवार सुबह जीतामऊ और रायपुर के बीच नदी किनारे सोनी का शव बरामद हुआ।
इंस्पेक्टर राजीव कुमार बैस ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। मां विनीता बेटी की मौत से बेसुध हैं और घर का माहौल गमगीन है।

# नौएडा क्षेत्र के सिविल वर्ग, स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित कार्यों जल एवं विद्युत सम्बन्धी कार्यों का निरीक्षण

**लोक प्रेरणा**
**नोएडा।** नौएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम द्वारा नौएडा क्षेत्र के सिविल वर्ग, स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित कार्यों जल एवं विद्युत सम्बन्धी कार्यो। का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, संजय खत्री, महाप्रबन्धक (जल/वि०/वी) आर पी सिंह, महाप्रबन्धक (जन स्वास्थ्य) एस०पी० सिंह, उप महाप्रबन्धक, विजय रावल, वरिष्ठ प्रबन्धक जन स्वास्थ्य/सिविल उपस्थित रहे।
निरीक्षण में निम्न निर्देश दिये गयेः- सैक्टर-24 मुख्य शिवाई नाले में साफी मात्रा में फ्लोटिंग मैटेरियल पाई गई। उक्त नाले की फ्लोटिंग मैटेरियल की तुरन्त सफाई कराकर फोटो सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये।
सैक्टर-25ए के खाली मूखण्ड में जनमानस द्वारा काफी मात्रा में कूड़ा एवं डाला जा रहा है। उक्त

भूखण्ड को 07 दिनों में सफाई कराने हेतु जन स्वास्थ्य विभाग को तथा
खाली भूखण्ड को तार्फरिंग करने हेतु सिविल विभाग को निर्देश दिये गये। फोर्टिस अस्पताल के तिराहे पर खोड़ा की ओर जाने वाले मार्ग पर फोर्टिस अस्पताल की तरफ राहक के सरिखड़ में आ रहे विद्युत पोल को शिष्ट करने के निर्देश दिये गये। फोर्टिस अस्पताल के पास फुटपाथ को नाले के समीप निर्मित कर सड़क को चौड़ीकरण करने
के निर्देश दिये गये।
फोर्टिस अस्पताल के पास टी प्वाईन्ट पर नाले को ढक कर स्लैब टाली गई है। उक्त के समीप आ रहे जलापूर्ति के पाईपी, सीएफसी केबलों के आस पास मिलाई कर ढकने के निर्देश दिये गये। फोर्टिस अस्पताल के टी प्वाईन्ट पर नाले पर रखे गये एलैब के आया पारा गमले लगाकर सौदर्यीकरण करने के निर्देश दिये गये।
सड़क की चौड़ीकरण में आ रहे कुछ पेड़ पौधों को शिफ्ट करने के निर्देश दिये गये।
फोर्टिस अस्पताल के सम्मुख दूसरी ओर भी सड़क को पीठीकरण करते हुए फुटपाथ को नाली
के साथ बनाने के निर्देश दिये गये। फोर्टिस अस्पताल के पास ही प्वाईन्ट पर आँटो एवं ई-रिक्शा हेतु पृथक लेन विकसित करने
एवं बोर्ड लगाकर ट्रैफिक नियंत्रण कराने के निर्देश दिये गये। 10. फोर्टिस अस्पताल टी प्वाईन्ट पर जाल ऊंचे नीचे लगे हुए है उनको समतल करते हुए पूरे चौराहे की रिसरफेसिंग कराने के निर्देश दिये गये फोर्टिस अस्पताल के समीप रोड पर ई-मार्जिन स्टेशन सड़क के सरेखखण में लगा हुआ है, उसको सड़क के किनारे शिफ्ट करने के निर्देश दिये गये।
सैक्टर-62Zadio Shoping Mall के समीप लतिफ्सा मोबाईल टॉयलेट खराब हालात में सर्विस रोड पर पड़ा हुआ था उसको तत्काल हटवाने के निर्देश दिये गये। रीक्टर-62 रामलीला पाउण्ड वाले पार्क के क्रासिंग के साथ-साथ नीएडा क्षेत्र के मुख्य चौराहों पर पुराने क्षतिग्रस्त ट्रैफिक बूथ के स्थान पर नये ट्रैफिक सूम लगाने तथा पोत्रा लाईन बनाने के निर्देश दिये गये। फोर्टिस अस्पताल से खोड़ा को जाने वाले मार्ग पर सर्विस रोड पर जगह-जगह कूड़ा तथा नाले में फ्लोटिंग मैटिरियल पाया गया। अतः उक्त क्षत्रेत्र में सुपरवीजन में लापरवाही के लिए श्री उमेश चन्द त्यागी, प्रबन्धक (जन स्वा)-प्रथम का एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिये गये। सड़क के भाग में OFC Cable के मैनहोल सड़क की सतह से ऊचे क्षतिग्रस्त पाये गये। केबल कम्पनी से सम्पर्क कर मेन होल की मरम्मत एवं लेबलिंग कराने के निर्देश दिये गये। बिजली घर के पास नाले में फ्लोटिंग पाया गया जिसके प्रतीत हो रहा था कि संविदाकार द्वारा नियमित रूप से नाले की सफाई नहीं की जा रही है।

## इटौरा चौराहा से किशोरी लापता, 25 दिन बाद पिता की तहरीर पर दर्ज हुई प्राथमिकी

**लोक प्रेरणा**
**कालपी,जालौन।** कालपी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दादूपुर से 25 दिन पहले लापता हुई किशोरी की गुमशुदगी को लेकर अब जाकर पुलिस में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दादूपुर निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री 17 अप्रैल 2025 को सुबह 10 बजे इटौरा चौराहा स्थित एक दुकान पर मोबाइल रिचार्ज कराने गई थी, लेकिन देर शाम तक वह घर वापस नहीं लौटी।
परिजन ने आसपास के गांवों, रिश्तेदारी और परिचितों के यहां काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। थक-हार कर अब पीड़ित पिता ने पुलिस से गुहार लगाई है।
पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। ज्ञान भारती चौकी इंचार्ज विवेक कुमार मिश्रा द्वारा मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

## शहर के सोसायटियों में ब्लैक आउट किया जाएगा

**नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर में भी ब्लैक आउट किया जाएगा। इसे लेकर तैयारी शुरू हो गई। गुरुवार को भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने यह फैसला लिया है। गुरुवार देर शाम स्थानीय थाना इंस्पेक्टर द्वारा क्षेत्र की सोसायटियों और ग्रामीण इलाकों में एक मैसेज सकुर्लेट किया गया है। इस मैसेज में जल्दी ही ब्लैक आउट किए जाने की बात लिखी है।
सोसायटी के मेंटिनेंस कर्मचारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस द्वारा गुरुवार रात एक मैसेज मोबाइल पर भेजा गया है। जिसमें लिखा है कि जल्द ही सोसायटी में ब्लैक आउट लिया जाएगा। जल्द ही इसके आपको सूचित किया जाएगा। वहीं एओए पदाधिकारियों का कहना है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बढ़ती जा रही है। अब यह पूरा मामला युद्ध की तरफ बढ़ता दिख रहा है। उनका कहना है कि ऐसी स्थिति को देखते हुए उनके द्वारा भी सोसायटी के लोगों को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है।
ग्रेटर नोएडा वेस्ट में करीब 200 सोसायटियां हैं। इनमें से अधिकतर सोसायटियां थाना बिसरख क्षेत्र में आती हैं। कुछ सोसायटी की मेंटिनेंस टीम ने बताया कि बिसरख पुलिस ने ब्लैक आउट लिए जाने का मैसेज भेजा है, लेकिन यह कब होगा इसकी जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने ब्लैक आउट लेने की बात लिखी है, जिसकी जानकारी जल्द ही साझा करने की बात कही है।
**ग्रामीण इलाकों में भी होगा ब्लैक आउट**
नोएडा-ग्रेटर नोएडा देहात इलाकों में ब्लैक आउट किया जाएगा। दनकौर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में रहने वाले ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार को स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें ब्लैक आउट किए जाने की जानकारी दी है। सभी ग्रामीण ब्लैक आउट को लेकर तैयार हैं। वह पुलिस के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। रबूपुरा में रहने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें भी पुलिस की तरफ ब्लैक आउट किए जाने की जानकारी दी गई है।

## जीआईपी मॉल और बॉटनिकल गार्डन मल्टीलेवल पार्किंग के बीच स्ट्रीट मार्केट बन रही

**नोएडा।** नोएडा में लोगों को चिल्ल करने के लिए दो नए जोन मिलने वाले है। यहां पर घूमना- फिरना, खाने- पीने सबकी सुविधा होगी। लोगों के हैंड आउट का नया डेस्टिनेशन जीआईपी से बॉटनिकल गार्डन पार्किंग के बीच और दूसरा स्काइमार्क के पास तैयार है।
सेक्टर-38ए स्थित जीआईपी मॉल और बॉटनिकल गार्डन मल्टीलेवल पार्किंग के बीच स्ट्रीट मार्केट बन रही है। इस मार्केट में नोएडा प्राधिकरण ने छोटे बड़े 22 कियोस्क बनाए है। ये कियोस्क और यूटिलिटी की सुविधाएं 3 करोड़ में तैयार की गई। इससे लोग यहां पर क्वालिटी टाइम बिता पाएंगे। दूसरा प्रोजेक्ट स्काई मार्क के पास नोएडा-6 नाम से है। यहां 6 कियोस्क बनाए गए है।

# गौतमबुद्धनगर में पुलिस विभाग में हुआ बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

## कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने किए अधिकारियों के ट्रांसफर

**गौतमबुद्धनगर ।** जिले की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक दक्षता को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पांच वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल किया है। यह निर्णय प्रशासनिक आवश्यकताओं के दृष्टिगत लिया गया है, जिससे जिले में बेहतर समन्वय, कानून व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।
पुलिस विभाग से जारी आदेश के अनुसार राजीव नारायण मिश्रा, जो वर्तमान में अपर पुलिस आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं, अब उन्हें अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के साथ-साथ रिट सेल का पर्यवेक्षण एवं दायित्व सौंपा गया है। यह जिम्मेदारी उन्हें जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति को और अधिक प्रभावी बनाने के दृष्टिकोण

से दी गई है। इसी क्रम में रामबदन सिंह, जो अब तक डीसीपी नोएडा के पद पर कार्यरत थे, को अपर पुलिस आयुक्त (यातायात, एफआरआरओ शाखा एवं नारकोटिक्स शाखा) का प्रभार सौंपा गया है। उनसे इन महत्वपूर्ण शाखाओं में समन्वय और निगरानी के माध्यम से सार्वजनिक व्यवस्था और नियंत्रण को और बेहतर बनाने की अपेक्षा है।
इसी कड़ी में यमुना प्रसाद, जो डीसीपी लाइन थे, अब डीसीपी नोएडा के रूप में कार्यभार संभालेंगे। नोएडा क्षेत्र की जटिल सुरक्षा और कानून व्यवस्था की स्थितियों को देखते हुए यह पद अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके अतिरिक्त, रविशंकर निम, जो वर्तमान में डीसीपी हेडक्वार्टर के पद पर हैं, उन्हें अब अतिरिक्त प्रभार डीसीपी लाइन का दायित्व भी सौंपा गया है। इससे उनके अनुभव का लाभ विभागीय संचालन में मिलेगा।
महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, प्रीति यादव, जो डीसीपी साइबर के रूप में कार्यरत हैं, को अब अतिरिक्त प्रभार डीसीपी महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। उनके नेतृत्व में महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित योजनाओं और अभियानों को और अधिक प्रभावशाली बनाने की उम्मीद की जा रही है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह द्वारा लिया गया यह निर्णय जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस फेरबदल से न केवल विभागीय कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि आम जनता को बेहतर सुरक्षा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

# रोज खाएं फाइबरयुक्त आहार

■ पालक में बीटा कैरोटीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है जिससे कैंसर और दिल की बीमारी नहीं होती

■ ग्रीन-टी पीने से रक्त अंदर से साफ होता है व त्वचा निखरती है

■ शिमला मिर्च इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती हैं, यह फेफड़े के इंफेक्शन, अस्थमा आदि से बचाव करती है

■ बींस पेट साफ रखती हैं, हड्डियां मजबूत बनाती हैं तथा वजन घटाती है, यह शरीर के दर्द को दूर करने में भी सहायक होती हैं

*हमे* अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भाग-दौड़ करनी ही पड़ती है। ऐसा नहीं है कि हमारा शरीर अपने आप ही सारे प्रोटीन प्राप्त कर ले, इसके लिए हमें कुछ आहार बाहर और कुछ विटामिन रोज ही लेने चाहिए अन्यथा हमारा शरीर जल्द ही बूढ़ा और कमजोर होने लगेगा। अगर आप यह जान लें कि कौन से ऐसे आहार रोज खाने से आप फिट रह सकते हैं, तो आप कई सारी बीमारियों से बच सकते हैं। कहते हैं कि आप जैसा खाते हैं वैसे ही बन जाते हैं। इसलिए अपनी डाइट पर विशेष ध्यान दीजिए। जबकि भाग-दौड़ वाली जिंदगी में न तो खाने का कोई समय है और न ही सोने का। इसलिए अधिकतर लोग अपनी बीमारी का इलाज करवाने के लिए रोज डॉक्टरों की क्लीनिक के चक्कर काटते नजर आते हैं। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे आहारों के नाम बताएंगे जिन्हें रोजाना खाने से आप स्वस्थ तन-मन के मालिक बन सकते हैं।

**ये आहार रोज खाने से आप रहेंगे तरो-ताजा व फिट**

1. **ग्रीन-टीः** इसके अंदर एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो वजन को कम करने के लिए एक जरूरी सामग्री है। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ा कर भूख को कम करता है। अगर आप ग्रीन-टी पिएंगे तो यह आपके रक्त को अंदर से साफ करेगी जिससे आप पाएंगे बेदाग और निखरी त्वचा।
2. **बादाम :** बादाम न केवल दिमाग तेज करता है बल्कि दिल को भी सुरक्षित रखता है। बादाम में काफी फाइबर और प्रोटीन होता है जो कि अन्य मेवों से कहीं अधिक होता है।
3. **शिमला मिर्च :** शिमला मिर्च में विटामिन ''सी' और ''ई' काफी मात्रा में होते हैं, जो खराब स्वास्य को ठीक करते हैं। यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाती है। इसके साथ ही यह सांस संबंधि समस्याएं जैसे फेफड़े का इंफेक्शन, अस्थमा आदि से बचाव करती है।
4. **दहीः** इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, राइबोफ्लेविन, विटामिन ''बी-6' और विटामिन ''बी-12' जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। दही को अपने खानपान में शामिल करने से खूबसूरती और स्वास्य दोनों ही बनते हैं।
5. **दूधः** दूध एक संपूर्ण आहार है जिसमें मिनरल, प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन उच्च मात्रा में पाया जाता है। इसे या तो दही या पनीर के रूप में खाया जा सकता है या फिर केवल दूध ही पिया जा सकता है। यह दोनों ही प्रकार से लाभ पहुंचाएगा।
6. **फलः** आपको रोज सुबह शाम एक फल जरूर खाना चाहिए। आप हर प्रकार के फल खाएं क्योंकि हर फल में अपने ही गुण होते हैं। फल खाने से पेट साफ रहता है और शरीर में शक्ति बनी रहती है। यह आपको उर्जावान बनाए रखते हैं।
7. **पालकः** पालक में बीटा कैरोटीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है जिससे कैंसर और दिल की बीमारी नहीं होती। पालक खाने से हीमोग्लोबिन बढ़ता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने के अलावा हृदय संबंधी बीमारियों से लड़ने में भी मददगार होता है। यह आंखों के लिए भी अच्छा माना जाता है।
8. **बींसः** बींस में काफी फाइबर होता है जो कि शरीर से कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को घटाने में मदद करता है। यह पेट को साफ रखती हैं, हड्डियों को मजबूत बनाती हैं तथा वजन घटाने में भी सहायक हैं। यह शरीर के दर्द को दूर करने में भी सहायक होती है।

# चुटकी भर नमक जिंदगी में ला सकता है बदलाव

**नमक** के बिना कोई भी खाना स्वादिष्ट नहीं लगता.. लेकिन क्या आप एक चुटकी नमक की कीमत जानते हैं। सिर्फ एक चुटकी नमक आपके अंदर ला सकता है कई बदलाव विज्ञानिक तौर पर ये बात कभी साबित नहीं हुई कि नमक का सेवन करने से हाइपरटेंशन बढ़ती है। हां रिसर्च में ये जरूर साबित हो चुका है कि कम सोडियम डायट लेने से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। एक रिसर्च में ये बात भी सामने आई थी रोजाना 2300 मिलीग्राम से कम सोडियम लेने से मौत को खतरा बढ़ जाता है। यानी आपको रोजाना अपनी डायट में 2300 मिलीग्राम या उससे अधिक नमक रोजाना लेना चाहिए नमक के सेवन से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है और इंसुलिन संवदेशनशीलता में सुधार आता है। कम नमक की डायट लेने से तो इंसुलिन लेवल बिगड़ जाता है। एक चुटकी नमक खाने से अस्थमा और एलर्जी से होने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता है नमक के सेवन से पेट का पीएच लेवल नियंत्रित रहता है। दरअसल, पाचन तंत्र को मजबूत बनाएं रखने के लिए हाइड्रोक्लोरिक एसिड का होना जरूरी है और नमक में सोडियम क्लोराइड होता है। आपको जानकर हैरानी होगी 90 फीसद अमेरकिंस में लो स्टमक एसिड पाया जाता है। एंडरलिन ऐसा जरूरी स्ट्रेस हार्मोन है जो नमक की कमी से बढ़ सकता है. नमक इस स्ट्रेस हार्मोन को कंट्रोल करता है।

> कम नमक की डायट लेने से तो इंसुलिन लेवल बिगड़ जाता है। एक चुटकी नमक खाने से अस्थमा और एलर्जी से होने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता है।

नमक एंट्री स्ट्रेस और एंटी इक्साइट गुणों से भरपूर है जिससे की तनाव कम होता है, मेटाबॉलिक रेट अच्छा होता है। ऐसे में नींद भी बेहतर आती है। नमक के सेवन से वजन भी नियंत्रित रहता है। एक रिसर्च के मुताबिक, नमक की कमी से ब्लड शुगर लेवल कम हो जाता है और वजन भी बढ़ने लगता है। नमक थॉयरॉइड सिस्टम को कंट्रोल करता है।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

## हंसी के फूव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.

चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

□ □ □

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.

मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?

बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

□ □ □

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.

प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?

अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

□ □ □

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'

'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.

'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'

'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

## काकुरो पहेली - 4050

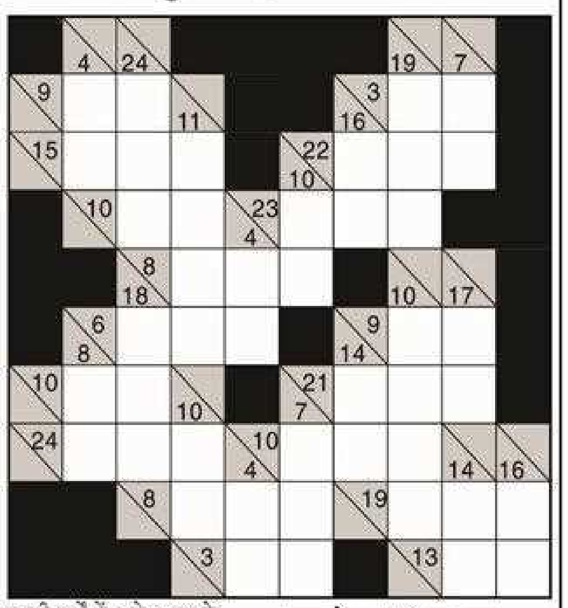

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

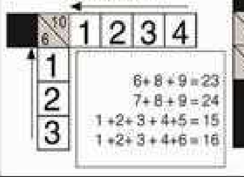


काकुरो - 4049 का हल

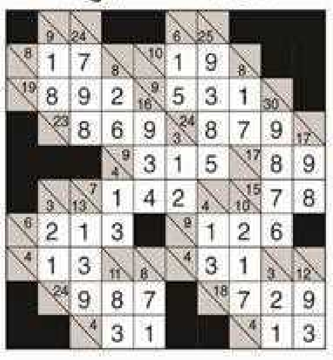

## फिल्म वर्ग पहेली - 4050

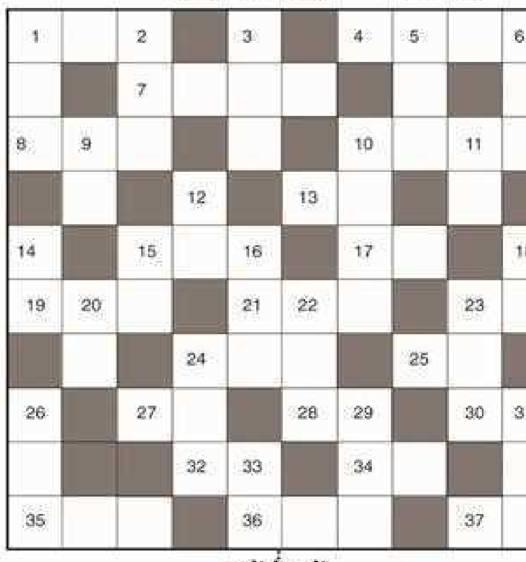

**बायें से दायें:-**

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्र्पाप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-२
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखे भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली -4049

## सूडोकु 4050

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | | | | 1 | | |
| | | | | 2 | 5 | 7 | 3 | |
| | 9 | 4 | | 6 | 7 | | | 2 |
| | 5 | | 4 | | 3 | | | 9 |
| | 8 | | | 9 | | | 7 | |
| 1 | | | 6 | | 8 | | 2 | |
| 6 | | | 7 | 4 | | 9 | 5 | |
| | 4 | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | | 8 | | | | 6 | | |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4049 श हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |

## शब्द पहेली - 4050

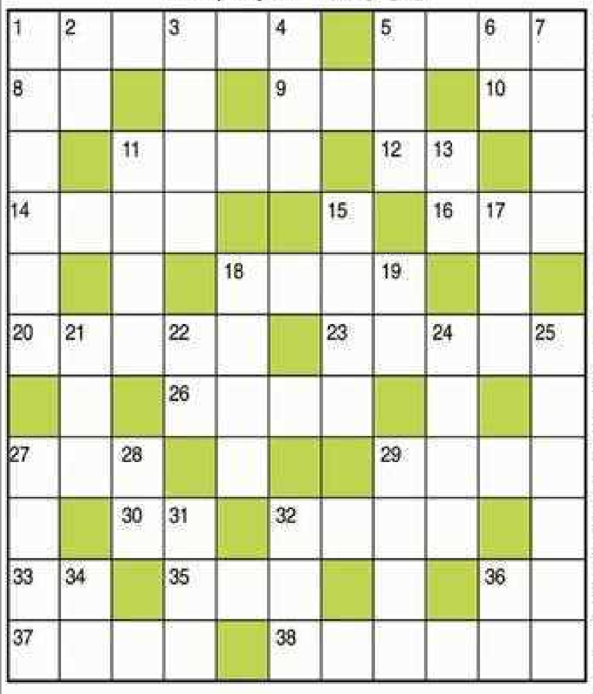

**बाएँ से दाएँ**

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

**ऊपर से नीचे**

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली 4049 का हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेलः lokparerna@gmail.com, फोनः 01252-259260, संपादकः श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।